राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 13 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–262 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'विस्फोटक होगी लिस्ट', क्या संकेत दे रहे हैं नरोत्तम मिश्रा

30 MLAs का कट सकता है पत्ता

भोपाल। मध्य प्रदेश में उम्मीदवारों की हर लिस्ट पर चौंका रही भारतीय जनता पार्टी की अगली सूची भी धमाकेदार होने वाली है। राज्य के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इसके संकेत दिए हैं। माना जा रहा है कि अगली सूची में पार्टी 25 से 30 मौजूद विधायकों के पत्ते काट सकती है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

राजधानी भोपाल में मिश्रा ने कहा, हर लिस्ट धमाकेदार ही होगी। आगे धमाके ही धमाके होने वाले हैं। दिवाली का त्योहार आने वाला है। खास बात है कि अब तक भाजपा चार सूचियां जारी कर चुकी है। इनमें 136 नाम शामिल हैं। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि आगामी बैठक में बचे हुए 94 उम्मीदवारों पर भी मुहर लग सकती है।

रविवार को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति यानी CEC की बैठक होने वाली है।

मीटिंग में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हो सकते हैं।

कटेंगे टिकट!

एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि कार्यकाल में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने वाले कई विधायकों का टिकट बीजेपी काट सकती है। इस दौरान 25 से 30 विधायकों के टिकट कटने की संभावनाएं हैं। खबर है कि भाजपा को सर्वे से पता लगा है कि कई विधायकों से जनता खफा है।

राजधानी भोपाल में मिश्रा ने कहा, हर लिस्ट धमाकेदार ही होगी। आगे धमाके ही धमाके होने वाले हैं। दिवाली का त्योहार आने वाला है। खास बात है कि अब तक भाजपा चार सूचियां जारी कर चुकी है।

मामा पर भी लगा दिया दांव

पार्टी ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को उनकी मजबूत सीट बुधनी से ही मैदान में उतारने का फैसला किया है। हालांकि, कहा यह भी जाने लगा है कि बुधनी की जनता खासी नाराज चल रही है, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि पार्टी नेतृत्व ने उनके नेता को दरकिनार कर दिया है। खुद चौहान भी जनता से भावुक अपीलें करते नजर आ रहे हैं।

मोदी का उत्तराखंड दौरा, गुंजी में सेना के जवानों से की मुलाकात

नैनीताल। प्रधामनंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार की सुबह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ पहुंचे और पार्वती कुंड में पूजा अर्चना की तथा आदिकैलाश के दर्शन करने के साथ ही गुंजी में सेना के जवानों से मुलाकात की। मोदी बरेली से सीधे चीन सीमा से सटे छोटे कैलाश (आदिकैलाश) पहुंचे। ज्योलिंकोंग एयरपोर्ट से वह पार्वती कुंड पहुंचे और शिव एवं पार्वती की पूजा अर्चना की। यहां मौजूद पुरोहितों ने उन्हें पारंपरिक तरीके से पूजा अर्चना करायी। उन्होंने आदि कैलाश के दर्शन भी किये तथा डमरू और शंख भी बजाया। पार्वती ताल के किनारे बैठ कर उन्होंने आदिकैलाश पर्वत के दर्शन किये। यहां से प्रधानमंत्री उच्च हिमालयी क्षेत्र में चीन की सीमा से लगे गुंजी पहुंचे। उन्होंने गुंजी, नाभि, कुटी और बूंदी गांवों के ग्रामीणों से मुलाकात की। ग्रामीणों ने यहां परंपरागत तरीके से उनका स्वागत किया। मोदी ने चीन सीमा पर तैनात भारत तिब्बत सीमा पुलिस, एसएसबी और सीमा सड़क संगठन के जवानों से भी मुलाकात की। उन्होंने यहां कला प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

कोर्ट में गोली...; हरियाणवी गाने पर क्यों विवाद, गुजरात HC तक पहुंची बात

अहमदाबाद। हरियाणावी गाने कोर्ट में गोली पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है और मुद्दा गुजरात हाई कोर्ट तक पहुंच गया है। कोर्ट से यह आरोप लगाते हुए शिकायत की गई है कि इसमें न्यायपालिका का अपमान किया गया है। बुधवार को कोर्ट ने कहा कि अगली सुनवाई में इस गाने को देखा जाएगा और यह जांच की जाएगी कि क्या यह न्यायपालिका को निशाना बना रहा है। केस की अगली सुनवाई अगले सप्ताह की जाएगी। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक चीफ जस्टिस सुनिता अग्रवाल और जस्टिस अनिरुद्ध मयी उमाकांत चौहान की ओर से दायर

याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दिसंबर 2022 में यूट्यूब पर अपलोड किए गए इस गाने पर उन्होंने आपत्ति जाहिर करते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील कुलदीप सोलंकी ने बेंच को बताया कि गाने में अपराधियों को न्यायपालिका से ऊपर दिखाने की कोशिश की गई है। सोलंकी ने दलील दी, गानें में दिखाया गया है कि एक अपराधी कोर्ट में पेशी के दौरान जज के सामने गवाह को गोली मार देता है। यह सीधे तौर पर न्यायपालिका पर निशाना है। वे दिखाना चाहते हैं कि अपराधी भारतीय न्याय व्यवस्था से ऊपर हैं। कोर्ट ने सोलंकी को यह भी बताने को कहा कि उन्हें किस पंक्ति पर आपत्ति है। वकील ने जवाब दिया, केवल एक लाइन जब अपराधी कहता है- भरी कोर्ट में बी गोली मारेंगे, मेरी जान, माथा जज का भी आवेंगे पसीने देखिए। वकील ने कहा कि गाने में इस बात को दृश्य के माध्यम से भी दिखाया गया है। वकील की ओर से पेश दलीलों के बाद जज ने कहा कि वे गाने को पूरा देखने के बाद कोई फैसला करेंगे। चीफ जस्टिस ने कहा, पहले हमें गाना देख लेने दीजिए, उसके बाद ही हम कुछ कह सकते हैं या निर्णय कर सकते हैं। उन्होंने केस को अगले सप्ताह के लिए सूचीबद्ध करने को कहा।

छत्तीसगढ़ में पहले चरण के चुनाव की अधिसूचना आज होगी जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा के आम चुनावों के पहले चरण की 20 विधानसभा सीटों के लिए कल अधिसूचना जारी होंगी और उसी के साथ नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जायेंगी।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रमों के अनुसार राज्य के घुर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों समेत 20 विधानसभा क्षेत्रों में पहले चरण के चुनाव के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी और इसी के नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जायेंगी। 20 अक्टूबर तक नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 21 अक्टूबर को होंगी ,और 23 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। मतदान 07 नवम्बर को होगा और मतगणना 03 दिसम्बर को होंगी।

पहले चरण में पंडरिया, कवर्धा, खैरागढ़, डोगरगढ़, राजनांदगांव, डोगरगांव, खुज्जी, मोहला मानपुर, अंतागढ़, भानुप्रतापपुर,कांकेर,केशकाल,कोंडागांव, नारायणपुर,बस्तर, जगदलपुर, चित्रकोट,दंतेवाड़ा ,बीजापुर एवं कोंटा सीटों पर मतदान होंगा।इस चरण की सभी 20 सीटों के लिए मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने उम्मीदवार घोषित कर दिए है,जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस ने एक भी सीट का उम्मीदवार अभी तक घोषित नही किया हैं।आम आदमी पार्टी,जनता कांग्रेस एवं कुछ छोटी पार्टियां भी कुछ सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है।

पहले चरण की इन 20 सीटों पर 2018 में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 17 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की थी जबकि भाजपा ने दो तथा जनता कांग्रेस ने एक सीट पर जीत दर्ज की थी।दंतेवाडा सीट

पर भाजपा विधायक भीमा मंडावी की नक्सलियों की हत्या के बाद हुए उप चुनाव में कांग्रेस ने इस सीट पर कब्जा कर लिया।इसी प्रकार खैरागढ़ सीट पर जनता कांग्रेस के विधायक देवब्रत सिंह के निधन के बाद हुए उप चुनाव में कांग्रेस ने इस सीट पर भी कब्जा कर लिया।वर्तमान में इन 20 सीटों पर भाजपा के पास एक मात्र सीट राजनांदगांव है,जिसका प्रतिनिधित्व पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमन सिंह कर रहे हैं।शेष सभी 19 सीटे सत्तारूढ़ कांग्रेस के पास हैं।

दो दिन चली कोर कमांडर लेवल की मीटिंग; दोनों देश एलएसी पर शांति बनाए रखने को सहमत

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच 9 और 10 अक्टूबर को कोर कमांडर लेवल की 20वें दौर की बातचीत हुई। यह मीटिंग लद्दाख सेक्टर के चुशुल-मोल्दो के पास हुई। बुधवार (11 अक्टूबर) को भारत के विदेश मंत्रालय ने इस बैठक की जानकारी दी। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, इस मीटिंग में भारत-चीन के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल सहित अन्य मसलों पर बातचीत हुई। भारत के सैन्य अधिकारी ने चीन पर लद्दाख के देपसांग और डेमचोक से अपनी सेना हटाने का दबाव डाला। भारत और चीन ने बॉर्डर इलाकों में जमीनी स्तर पर शांति बनाए रखने पर सहमति जताई है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में बताया कि दोनों देशों ने खुले और रचनात्मक तरीके से बातचीत की और अपने विचारों को साझा किया। भारत की तरफ से 20वें दौर की बातचीत का नेतृत्व 14-कॉर्प्स कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राशिम बाली ने किया। वहीं, चीनी पक्ष की अगुआई साउथ शिनजियांग मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट चीफ ने किया। यह दूसरी बार है जब भारत-चीन के बीच कोर कमांडर लेवल की मीटिंग दो दिनों तक चली। इससे पहले 13 और 14 अगस्त को 19वें राउंड की मीटिंग में दोनों देश के बीच पूर्वी लद्दाख में LAC पर विवाद को हल करने पर सहमति बनी थी। वहीं इससे पहले 23 अप्रैल को हुई सैन्य वार्ता के 18वें दौर की बातचीत में भी भारत ने डेपसांग और डेमचोक

में लंबित मुद्दों को हल करने की कोशिश की थी। हालांकि, तब कुछ खास नतीजा नहीं निकला सका था। भारत हमेशा से कहता रहा है कि जब तक बॉर्डर इलाकों में शांति नहीं होगी तब तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते।

भारत-चीन के बीच इन 5 पॉइंट पर लड़ाई

उत्तरी लद्दाख में दौलत बेग ओल्डी
अरुणाचल प्रदेश में किबिथू
लद्दाख में चुसुल
अरुणाचल प्रदेश में तवांग के पास बुम-ला
सिक्किम में नाथू-ला

3 साल पहले गलवान झड़प के बाद बढ़ा तनाव- भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी पर करीब 3 साल पहले 2020 में हिंसक झड़प हुई थी। इसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि 38 चीनी सैनिक मारे गए थे।हालांकि, चीन इसे लगातार छिपाता रहा।

गलवान घाटी पर दोनों देशों के बीच 40 साल बाद ऐसी स्थिति पैदा हुई थी। गलवान पर हुई झड़प के पीछे की वजह यह थी कि गलवान नदी के एक सिरे पर भारतीय सैनिकों अस्थाई पुल बनाने का फैसला लिया था। चीन ने इस क्षेत्र में अवैध रूप से बुनियादी ढांचे का निर्माण करना शुरू कर दिया था। साथ ही, इस क्षेत्र में अपने सैनिकों की संख्या बढ़ा रहा था।

जयशंकर ने कहा था- भारत-चीन बॉर्डर विवाद सबसे बड़ा चैलेंज

जुलाई 2023 में विदेश मंत्री एस जयशंकर ब्रिक्स की एक मीटिंग में शामिल हुए थे। इस दौरान भी उनकी वांग यी के साथ बॉर्डर विवाद और शांति प्रयासों को लेकर चर्चा हुई थी। तब जयशंकर ने भारत-चीन बॉर्डर पर पिछले 3 सालों से जारी तनाव को अपने करियर का सबसे कठिन डिप्लोमैटिक चैलेंज बताया था।

नीतीश ने नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस हादसे में चार लोगों की मौत पर जताया शोक

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री एवं पूर्व रेल मंत्री नीतीश कुमार ने दिल्ली के आनंद विहार से कामाख्या स्टेशन जाने वाली नॉर्थ-ईस्ट एक्सप्रेस की बक्सर जिले के रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के पास हुई दुर्घटना में चार लोगों की मौत पर आज गहरी शोक संवेदना व्यक्ति की और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये मुआवजे दिये जाने की घोषणा की।

श्री कुमार इस दुखद घटना से मर्माहत हैं। उन्होंने इस हादसे में मृत लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है एवं दुख की इस घड़ी में मृतक के शोक संतप्त परिजनों को धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने दुर्घटना में घायल हुये लोगों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने का निर्देश दिया तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की भी ईश्वर से कामना की है।

मुख्यमंत्री ने इस घटना में मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि ट्रेन दुर्घटना में घायल सभी यात्रियों का राज्य सरकार अपनी तरफ से इलाज करायेगी।

श्री कुमार ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन, राज्य आपदा मोचल बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा

मोचन बल (एनडीआरएफ) द्वारा तत्परता से की गई कार्रवाई की सराहना। की साथ ही उन्होंने स्थानीय लोगों को भी यात्रियों की सहायता के लिये धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि यात्रियों को किसी तरह की कोई दिक्क्त ना हो, जिसके लिए उन्हें हर तरह की सहायता मुहैया करायी जाये।

ऑस्ट्रेलिया में पीएम मोदी का रॉकस्टार की तरह हुआ था स्वागत, स्पीकर बोले- मैंने पहली बार ऐसा देखा

सिडनी। इस साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा को याद करते हुए राजनेता और ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधि सभा के 32वें अध्यक्ष मिल्टन डिक ने कहा है कि सिडनी में उनका जो स्वागत हुआ वह एक रॉकस्टार जैसा था। दुनिया भर में पीएम मोदी की लोकप्रियता की सराहना करते हुए ऑस्ट्रेलियाई स्पीकर ने गुरुवार को कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा बहुत सफल रही। अपने जीवनकाल में मैंने दुनिया के किसी नेता के लिए ऐसी प्रतिक्रिया और इतना मजबूत समर्थन कभी नहीं देखा है। पीएम मोदी की मेजबानी करना हमारे देश के लिए सौभाग्य की बात है। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, सिडनी में उनका जो स्वागत हुआ वह वास्तव में एक रॉकस्टार जैसा था। इसमें हजारों लोग शामिल हुए। यदि आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं तो वहां 10 लाख लोग भारतीय समुदाय के हैं। यह न केवल हमारे देश को मजबूत बनाता है, बल्कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच के संबंध को भी और मजबूत बनाता है। एक वर्ल्ड लीडर नेता के रूप में पीएम मोदी की लोकप्रियता पर उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री ने उन रिश्तों को बनाने पर कड़ी मेहनत की है। यहां तक कि हमारे प्रधानमंत्री भी उनकी दोस्ती को महत्व देते हैं। यही कारण है कि पिछले डेढ़ साल में हमने कई मंत्रियों को भारत की यात्रा करते देखा है। यह मेरी भारत की पहली यात्रा नहीं है। मैं 2018 में संसद के नवनिर्वाचित सदस्य के रूप में भारत आया था। एक सांसद के रूप में यह मेरे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण यात्रा थी। इस साल मई में अपनी तीन दिवसीय ऑस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष अल्बानीज के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और एक ऐतिहासिक कार्यक्रम को भी संबोधित किया। उन्होंने कई व्यापारिक नेताओं और प्रतिष्ठित आस्ट्रेलियाई लोगों से भी मुलाकात की थी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीज ने पीएम मोदी की की तुलना प्रसिद्ध रॉकस्टार ब्रूस स्प्रिंगस्टीन से की थी। उन्होंने पीएम मोदी को द बॉस से भी संबोधित किया था।

● पीएम मोदी की मेजबानी करना हमारे देश के लिए सौभाग्य की बात है। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, सिडनी में उनका जो स्वागत हुआ वह वास्तव में एक रॉकस्टार जैसा था। इसमें हजारों लोग शामिल हुए। यदि आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं तो वहां 10 लाख लोग भारतीय समुदाय के हैं।

ऑस्ट्रेलियाई स्पीकर ने जी20 शिखर सम्मेलन के बारे में भी बात की, जो इस वर्ष भारत की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी पर जोर देते हुए ऑस्ट्रेलियाई स्पीकर ने कहा कि दोनों देश लोकतंत्र के प्रति प्रेम साझा करते हैं और संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत हो रहे हैं।

120 KM/H की रफ्तार, ट्रैक से अलग हुई बोगियां; आधी रात को मच गई चीख पुकार

आरा बक्सर। बिहार के बक्सर में बुधवार को नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना भंयकर था, कि अब भी कई यात्री खौफ में हैं। बक्सर से चलते ही रघुनाथ स्टेशन के पास ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हैं। जिस वक्त ये हादसा हुआ, उस वक्त रेल की स्पीड 110-120 किमी/घंटा थी। ट्रेन की पहले बोगी में सवार आरा के बाबू बाजार निवासी अशोक ने बताया कि वह और उनके साथ आरा के ही सामाजिक कार्यकर्ता मंगलम की मां समेत तीन लोग रात करीब साढ़े आठ बजे विंध्याचल से सवार हुए थे। रात साढ़े नौ बजे अचानक जोरदार आवाज के साथ ट्रेन लड़खड़ाने लगी। आगे की बोगियां दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। उनके साथ की महिला को पैर व सिर में मामूली चोट है। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही मंगलम चारपहिया वाहन लेकर हादसास्थल पर पहुंचे और अपनी मां समेत साथ रहे आरा के लोगों को गाड़ी से लाये।

अलीगढ़ से एक माह की छुट्टी बिताकर एम 2 कोच में 79 बर्थ पर सवार न्यू जलपाईगुड़ी जा रहे बीएसएफ जवान ओमपाल सिंह ने बताया कि वे ऊपरी बर्थ पर सोये थे। अचानक तेज आवाज आई तो नींद खुली तो देखा कि ऊपरी बर्थ से कुछ यात्री गिर रहे थे और भागदौड़ होने लगी। तब तक उनकी बोगी भी पलट गई। तब किसी तरह गेट की कुंडी

पकड़ बाहर निकले। उनके हाथ में चोट लगी है। बताया कि बोगी में चीख-पुकार मची थी और

किसी तरह से लोग निकल रहे थे। मामूली रूप से चोटिल पटना के शुभम ने बताया कि वह पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (मुगलसराय) में उक्त ट्रेन में सवार हुआ था। रघुनाथपुर स्टेशन के ठीक पहले अचानक ट्रैक चेंज होने पर पहले कड़कड़ाहट की आवाज आई। तब तक ऊपरी सीटों से यात्री नीचे गिरने लगे। क्या हुआ-क्या हुआ की आवाज आई। तब उसने देखा कि ट्रैक से बोगी अलग हो गई है। उक्त बोगी रघुनाथपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 4 में जाकर सट गई थी। बोगी से कूद कर लोग जैसे-तैसे निकलने लगे। उसने बताया कि क्रॉसिंग के पीछे रह गई चार बोगियों में से एक बोगी पलट गई है और कई बोगियां ट्रैक से अलग-अलग हो गई हैं। इस हादसे के चलते पीडीडीयू जंक्शन से गुजरने वाली ट्रेनें जहां तहां खड़ी हो गईं। पीडीडीयू जंक्शन से होकर गुजरने वाली डाउन महानंदा एक्सप्रेस को धीना में और सीमांचल एक्सप्रेस को दिलदारनगर में रोक दिया गया था। इससे यात्रियों को काफी परेशानी उठानी। घटना स्थल पर पुलिस के जवान स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बचाव कार्य में जुटे रहे। सीढियां लगाकर डिब्बों के अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला जा रहा है। स्थानीय लोगों की भीड़ से राहत कार्य में परेशानी भी हो रही है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी बार-बार लोगों से वहां से हट जाने की अपील करते रहे। घटनास्थल पर रोशनी का अभाव होने रहा। फिलहाल रात के अंधेरे में और मोबाइलों की रोशनी में ही बचाव कार्य चला ।

मतदान बढ़ने से मजबूत होगा लोकतंत्र

सुनील माथुर

अब देश की जागरुक जनता को भी यह समझना चाहिए कि मतदान के प्रति हम स्वयं तो जागरुक हों, साथ अपने आसपास रहने वाले व्यक्तियों को भी जागरुक करें, तभी लोकतंत्र का असली रुप सामने आ पाएगा। कहीं ऐसा न हो कि पर्याप्त मतदान के अभाव में बाद में पछताना पड़े। अभी इस बात को तय करें कि हम स्वयं तो मतदान करेंगे ही, साथ अपने साथ और मतदाताओं को भी मतदान के लिए लेकर जाएं। हम अपना कर्तव्य पूरी प्रामाणिकता के साथ निभाएं, तभी मतदान का प्रतिशत बढ़ सकता है।

मतदान बढ़ाने के लिए निरंतर चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान के बाद भी मतदान के प्रति रवैया शत प्रतिशत वाला नहीं हो सका। इसके पीछे मुख्य कारण यह भी है कि अभियानों पर लाखों करोड़ों व्यय होने के बाद भी कुछ मतदान की गंभीरता को नहीं समझ सके हैं। चुनाव आयोग और मतदान के प्रति जागरुकता लाने वाले प्रेरक संगठनों के तमाम प्रयासों के बाद भी मतदान के प्रति वैसा उत्साह अभी तक देखने में नहीं आ सका है, जैसी उम्मीद की जाती रही है। वास्तव में मतदान का प्रतिशत नहीं बढा कहीं न कहीं मतदाताओं की उदासीनता को ही प्रदर्शित करती है। सवाल यह है कि अपना जनप्रतिनिधि चुनने में मतदाता उदासीन क्यों होता जा रहा है, इसके पीछे कौन दोषी है? केवल राजनेता ही दोषी हैं या फिर जनता की निक्रियता भी दोष के दायरे में आती है। इन तमाम सवालों के उत्तर आज किसी के पास नहीं हैं। क्योंकि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के तमाम प्रयासों के बाद भी नतीजा वही ढाक के तीन पात वाला ही है।

देश की जनता को यह भी समझना चाहिए कि यह अवसर मात्र एक दिवसीय कर्तव्य का नहीं है, बल्कि मतदान के दिन हम पांच वर्ष के लिए सरकार का चुनाव करते हैं। हम पूरे पांच वर्ष तक केवल सरकार की खामी निकालते रहते हैं, लेकिन जब उन खामियों का जवाब देने का समय आता है, तब हम निष्क्रिय होकर घर में बैठ जाते हैं। ऐसे में हम जो चाहते हैं, वैसा नहीं होता। दूसरे जैसा चाहते हैं, वैसा हो जाता है। मतदान के प्रति यह उदासीनता कहीं न कहीं हमें अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों से भी दूर करता है। जरा स्मरण कीजिए कि आज देश में जो भी समस्याएं विद्यमान हैं, वे सभी स्वार्थी राजनीति के कारण ही हैं। राजनीतिक सरकारें तभी देश का भला कर सकती हैं, जब देश की जनता अपने राष्ट्रीय कर्तव्य के प्रति जागरुक हो। कहा जाता है कि भारत

में जनता की सरकार है यानी लोकतंत्र है, लेकिन जब जनता ही सरकार चुनने में उदासीन हो जाए तो फिर क्या जनता की सरकार कहा जा सकता है। कदाचित नहीं। देश की जनता को यह भी तय करना होगा कि हम हमारी सरकार चुनने जा रहे हैं। राजनेता तो मात्र हमारे प्रतिनिधि के तौर पर ही चुने जाते हैं। फिर बहुत बड़ी मात्रा में देश की जनता इस राष्ट्रीय यज्ञ से दूरी बनाकर क्यों चल रही है। देश में लोकतंत्र की मजबूती के लिए जनता को जागरुक होना ही होगा, यह समय की मांग है।

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान हमने यह भी देखा कि चुनावी आमसभाओं और रैलियों में ताबड़तोड़ भीड़ दिखाई दे रही है, लेकिन यह भीड़ मतदाता बनकर मतदान केन्द्रों पर नहीं पहुंच रही। इसके कारण यह भी हो सकते हैं कि यह भीड़ केवल एकत्रित की गई हो। नहीं तो क्या कारण है कि रैलियों में आने वाला समूह मतदान केन्द्रों तक नहीं आ रहा है। वह समूह मात्र भीड़ की श्रेणी में अपने आपको स्थापित कर रहा है। अभी तक लोकसभा चुनाव के तीन चरणों का मतदान संपन्न हो चुका है, लेकिन आमसभाओं जैसी भीड़ दिखाई नहीं दे रही है। इसलिए कहा जा सकता है कि देश का मतदाता इस बार भी पूरे जोश में नहीं आया। अभी तक का जो मतदान प्रतिशत दिखाई देता है, वह 60 प्रतिशत के आसपास ही है, ऐसे में यही कहा जा सकता है कि लगभग 40 प्रतिशत मतदाता अपने आपको चुनाव प्रक्रिया से दूर रखे हुए हैं। यहां सवाल यह आता है कि जब देश में 60 प्रतिशत मतदान होगा तो स्वाभाविक ही है कि कोई भी प्रत्याशी कुल मतों का मात्र 20 या 25 प्रतिशत मत प्राप्त करने पर भी विजयी हो सकता है। मात्र एक चौथाई जनता का प्रतिनिधित्व करने वाला व्यक्ति समस्त जनता द्वारा चुना गया प्रतिनिधि माना जा सकता है। यह एक ऐसा सवाल है जिसका उत्तर केवल तर्क ही हो सकता है, लेकिन वास्तव में यह उत्तर किसी भी प्रकार से समुचित नहीं कहा जा सकता। प्रायः देखा जा रहा है कि मतदान के प्रति जिस प्रकार की उदासीनता लम्बे समय से अनुभव की जा रही है, वह यही है कि मतदाता कहीं न कहीं लालच की प्रतीक्षा करता है, जब हम अपना वोट बेचने की कवायद करेंगे तो फिर वही भ्रष्टाचार का खेल होगा। अन्यथा ऐसा कैसे संभव है कि देश का वोटर उस भ्रष्टाचार को कैसे समर्थन दे जिससे निकलने की वह जी तोड़ प्रयास कर रहा है, जिस भ्रष्टाचार की जकड़ उसे पैर-पैर पर महसूस हो रही है।

अब देश की जागरुक जनता को भी यह समझना चाहिए कि मतदान के प्रति हम स्वयं तो जागरुक हों, साथ अपने आसपास रहने वाले व्यक्तियों को भी जागरुक करें, तभी लोकतंत्र का असली रुप सामने आ पाएगा। कहीं ऐसा न हो कि पर्याप्त मतदान के अभाव में बाद में पछताना पड़े। अभी इस बात को तय करें कि हम स्वयं तो मतदान करेंगे ही, साथ अपने साथ और मतदाताओं को भी मतदान के लिए लेकर जाएं। हम अपना कर्तव्य पूरी प्रामाणिकता के साथ निभाएं, तभी मतदान का प्रतिशत बढ़ सकता है।

(वरिष्ठ पत्रकार)

संपादकीय

आघात का प्रतिघात

मस्तिष्क आघात (ब्रेन स्ट्रोक) पर लांसेट की हालिया रिपोर्ट एक वेकअप कॉल है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए इस मेडिकल जर्नल के अध्ययन के मुताबिक 2050 तक भारत सहित दुनिया के निम्न-मध्यम आय वाले देशों में ब्रेन स्ट्रोक से 10 मिलियन लोग मर सकते हैं। भारत में ब्रेन स्ट्रोक के पहले से ही लगभग एक करोड़ मामले थे और अब उनमें 1.29 मिलियन नए मामले और जुड़ गए हैं। अपने देश में तो हर मिनट में 3 लोग ब्रेन स्ट्रोक से पीड़ित होते हैं। यह अलार्मिंग प्वॉइंट है। ब्रेन स्ट्रोक दुनिया भर में लोगों की मौत की दूसरी मुख्य वजह है और विकलांगता की तीसरी। यह आंकड़ा 2019 का है। यही वजह है कि मस्तिष्कीय आघात वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल की प्रमुख चिंता बनी हुई है। यह आघात तब होता है, जब मस्तिष्क में रक्त संचार में रुकावट आती है या जब खून की नलिका में टूट-फूट हो जाती है और उससे रिसाव होने लगता है। इससे खून और ऑक्सीजन का मस्तिष्क के ऊतकों तक पहुंचना रुक जाता है।

इससे मस्तिष्क में ऊतक और कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होकर कुछ ही समय में नष्ट हो जाती हैं। वे सामान्यत- पुनर्जीवित नहीं होतीं, जिनसे लोग विकलांग तक हो सकते हैं। इसलिए मस्तिष्क में खून का बहाव और ऑक्सीजन को जल्द से जल्द बहाल करना जरूरी होता है। स्ट्रोक दो तरह के होते हैं। इस्केमिक स्ट्रोक, जो 80 फीसद आघात इसी से होते हैं,और दूसरा रक्तस्रवी आघात। पर ऐसे केस 20 फीसद ही होते हैं। देखा जाए तो ये आघात भी मनुष्य की गड़बड़ जीवनशैली से जुड़े हुए हैं। धूम्रपान, हाईब्लड प्रेशर, हाई कॉलेस्ट्राल, धमनी रोग और शिथिल शारीरिक गतिविधियां वाली जीवनचर्या और उससे होने वाला मोटापा ऐसे कारण हैं, जिनमें सावधानीपूर्वक और स्वस्थ बदलाव लाकर आघात से बचा जा सकता है। पर बढ़ी हुई उम्र, पारिवारिक-आनुवांशिक कारणों से होने वाले स्ट्रोक लगभग लॉइलाज हो जाते हैं। भारत समेत निम्न-मध्यम आयवर्ग के देशों में शहरों-गांवों में आघात से होने वाली बीमारियों, मृत्यु दरों और पीड़ितों की दीर्घकालिक विकलांगता को कम करना जरूरी है। दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में वैश्विक स्ट्रोक मृत्यु दर और विकलांगता का 40 फीसद से अधिक हिस्सा है। इसलिए आघात-रोकथाम की कार्यनीतियां लागू करना और देखभाल प्रणाली बढ़ाना जरूरी है। ध्यान रहे कि मस्तिष्कीय आघात देश की सेहत के साथ-साथ अर्थव्यवस्था पर भी तगड़ा प्रतिघात है।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है।

एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है?

यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चक्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

युद्ध रोकने के स्थान पर भड़काने में लगी वैश्विक शक्तियां

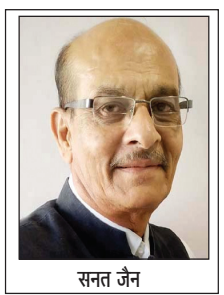

सनत जैन

इजराइल और हमास के बीच में लड़ाई चरमसीमा पर पहुंच गई है। दोनों देशों के हजारों लोगों के मरने की खबर है। वहीं हजारों लोग घायल अवस्था में अस्पतालों में पड़े हुए हैं। गाजा पट्टी क्षेत्र में इलाज नहीं मिल पाने के कारण सैकड़ों घायलों की मौत भी हो गई। इजरायली सेना ने प्रतिबंधित फास्फोरस बम का इस्तेमाल गाजा पट्टी के अल करामा शहर में हमला किया। यह बम जिस इलाके में गिरते हैं, वहां पर ऑक्सीजन का लेवल बहुत कम हो जाता है। फास्फोरस शरीर के अंदर प्रवेश कर जाता है, जिसके कारण लोगों की मौत हो जाती है। इजरायली हमलों के बाद पूरे गाज क्षेत्र की बिजली सप्लाई ठप्प हो गई है। ईंधन के अभाव में पावर प्लांट बंद हो चुका है। पूरे इलाके की बिजली सप्लाई बंद हो गई है। अस्पताल भी अंधेरे में डूब गए हैं। इजराइल ने गाजा पट्टी की पानी और बिजली की सप्लाई भी रोक दी है, जिसके कारण लाखों लोग जीवन और मृत्यु के बीच में झूला झूल रहे हैं। इसी बीच अमेरिका ने इजरायल के लिए बड़ी मात्रा में गोला बारूद भेजा है, जो नेवातिम एयरबेस बार पहुंच गया है। वहीं रूस के राष्ट्रपति बालवीर पुतिन ने पहली बार जंग को लेकर फिलिस्तीन के पक्ष में अपनी राय जाहिर करके सैन्य मदद देने की पेशकश कर दी है। रूस का कहना है, कि अमेरिका फिलिस्तीनियों के हितों को नजरअंदाज कर रहा है। लेबनान और सीरिया ने इजराइल पर हमला कर दिया है। इजरायली दावा कर रहे है, कि सीरिया की ओर से रॉकेट हमले हो रहे हैं। लेबनान से भी 15 रॉकेट इजराइल में दागे गए हैं। लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल ने भी तीन ठिकानों पर हमला किया है। इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध में दुनिया दो भागों में बटती हुई नजर आ रही है। पश्चिम के देश जहां इजरायल के पक्ष में खड़े हो गए हैं, वहीं इस्लामिक देश फिलिस्तीन के पक्ष में आकर खड़े हो रहे हैं। उत्तर कोरिया ने भी फिलीस्तीन को समर्थन देने की बात कही है। इस युद्ध में दोनों ही देशों के हजारों नागरिक मारे गए हैं। पहली बार किसी युद्ध में नागरिकों के ऊपर युद्ध का इतना बड़ा असर देखने को मिल रहा है। इजराइल ने भी जिस तरीके से हमास और फिलीस्तीन को निशाना बनाया है, उसके कारण इजरायल के खिलाफ इस्लामिक देश बड़ी संख्या में एकजुट हो गए हैं। जिसके फलस्वरुप युद्ध एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच रहा है। वर्तमान स्थिति में विश्व युद्ध की नई संभावनाएं देखी जा रही हैं। इजराइल के इस्लामी देशों के साथ बेहतर संबंध थे, लेकिन इस युद्ध के कारण अब इजरायल के संबंध भी इस्लामी देशों से खराब हो गए हैं। फिलिस्तीन के नागरिकों को जिस तरीके से नेस्त-नाबूत किया जा रहा है, उसकी दुनिया भर में आलोचना भी हो रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद और दुनिया की बड़ी-बड़ी महाशक्तियां इस युद्ध को रोकने के स्थान पर इस युद्ध में पेट्रोल डालने का काम कर रही हैं। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए आश्चर्यजनक है। चीन ने भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय से फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय आधार पर मदद देने की पेशकश की है। इजराइल और हमास के बीच लगभग एक सप्ताह से चल रहे इस युद्ध को रोकने की दिशा में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई प्रयास नहीं हो रहे हैं। उल्टे दो गुटों में सारी दुनिया के देश बंटते हुए दिख रहे हैं। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध की विभिषिका को देखने के बाद भी यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस युद्ध को रोकने के स्थान पर युद्ध की आग में घी डालने का जो कार्य हो रहा है। उससे सारी दुनिया के देशों में एक चिंता भी देखने को मिल रही है। इजराइल और हमास संगठन के बीच लड़ाई लंबी चलने के अनुमान लगाए जा रहे हैं। इसका खामियाजा निर्दोष नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। सारी दुनिया की मानवता शर्मसार हो रही है। पिछले दो दशकों में इजरायल ने फिलिस्तीन और गाजा पट्टी के निवासियों पर बड़ा कहर बरपाया है। सारी दुनिया के देशों में एक राय यह भी बन रही है, कि गाजा पट्टी क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों का जीवन यापन पहले ही मुश्किल था। गाजा पट्टी में रहने वाले लोग अपने जीवन को जीने के लिए मरो या लडो की स्थिति में आकर खड़े हो रहे हैं। इस युद्ध से दोनों ही देशों को जान और माल का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस युद्ध को जितनी जल्दी रोका जाए, उतना ही इन दोनों देशों के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों के लिए बेहतर होगा। अन्यथा युद्ध को एक चिंगारी, वैश्विक स्तर पर तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी नजर आ रही है।

दहेज कानून : यह कैसा समाज!

कमलेश जैन

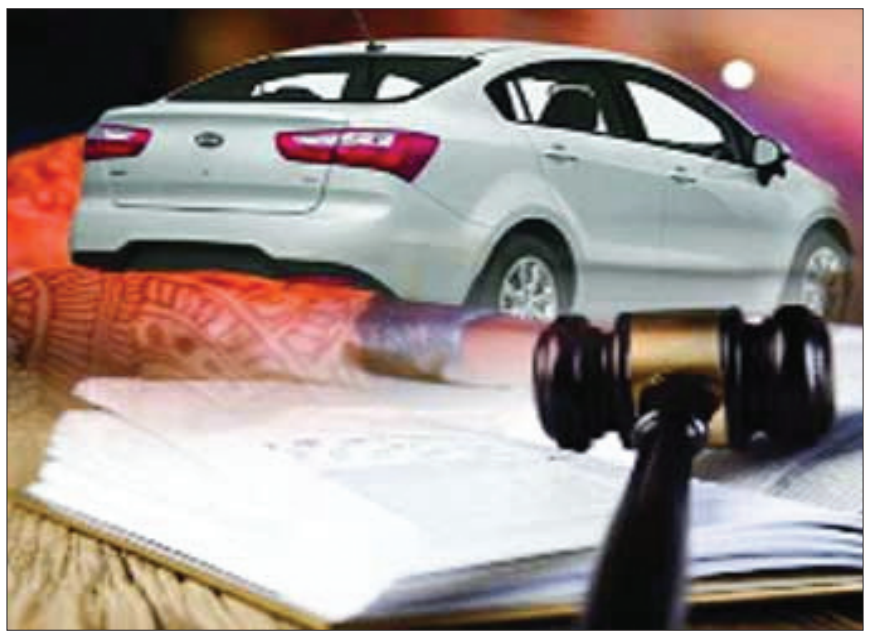

एक समय था जब लड़की के मायके वाले लड़की का विवाह एक पवित्र संस्कार के तहत अपनी हैसियत के अनुसार अपनी मर्जी से दान में कुछ सामान देकर अपनी पुत्री को ससुराल विदा करते थे।

लड़के वाले कुछ समय बाद दहेज मांगने लगते तो लड़की के पिता कर्ज लेकर, जमीन बेचकर, दहेज का इंतजाम करते और बेटी को विदा कर देते। यह सब कुछ कहीं-कहीं किसी परिवार के लिए अत्यंत कष्टप्रद होता। इसे देखते हुए दहेज कानून 'दहेज निषेध कानून, 1961' आया। इसके अंतर्गत शादी के पहले, शादी के अवसर पर और शादी के बाद दहेज लेना-देना, दोनों अपराध बन गए। इस अपराध की सजा कम से कम 5 वर्ष हो गई और जुमार्ना 15 हजार या इससे ज्यादा हो गया। कानून का उल्लंघन दिखाने भर के लिए कम हुआ। लोगों ने संगठन बनाया 'दहेज रहित विवाह का' कुछ लोगों ने सचमुच इस पर अमल किया।

पर यह कानून अन्य कानूनों की तरह कानून की किताब की शोभा बना रहा, जमीन पर नहीं उतरा। दहेज का तामझाम, सजावट, लेन-देन, दिन दूना रात चौगुना बढ़ता रहा। संतरी से लेकर मंत्री तक इसकी उपेक्षा करते रहे। दहेज के लिए लड़कियां ससुराल में प्रताड़ित हुई, उपेक्षित हुई। कहीं जलाकर मारी गई तो कहीं घर से बाहर की गई। उन्हें तरह-तरह की यातनाएं दी गई। कानून ने यह सब देखा, सुना, महसूस किया और तब 1983 में भारतीय दंड संहिता में धारा 498 (पति तथा पति के रिश्तेदारों द्वारा अत्याचार) का अपराध जोड़ा गया। इसके अंतर्गत बहू (पत्नी) पर (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक) अत्याचारों को शामिल किया गया जो उस पर दहेज ज्यादा लाने के लिए किये जाते। इनकी व्याख्या, विस्तार, तरीके उतने ही हैं, जितने सोचे जा सकते हैं। हर स्तर, हर तबके की लड़की के लिए अलग-अलग। इसकी सजा है 3 वर्ष तक और जुमार्ना भी।

घर में रहने वाले, शहर में रहने वाले, अलग-अलग राज्यों और देशों में रहने वाले सारे रिश्तेदार लड़के के ननिहाल, ददिहाल वालों पर एफआईआर में नाम भर आने से सभी गिरफ्तार हो जाते, जमानत मुश्किल से मिलती। कभी-कभी लड़का खुद को दोषी समझ आत्महत्या भी कर लेता। पूरा परिवार जेल में रहने से परिवार संकट में पड़ जाता। 1986 में भारतीय दंड संहिता में धारा 304-बी 'दहेज हत्या' भी लाई गई। इसके अनुसार यदि विवाहिता की मौत असाधारण परिस्थितियों में विवाह के सात वर्षो के अंदर हुई है तो वर पक्ष पर 'दहेज हत्या' का मुकदमा चलता है, जिसकी सजा है कम से कम 7 वर्ष और ज्यादा से ज्यादा आजीवन।

इसके बाद जब कानून ने देखा कि वर पक्ष पर 498 ए आईपीसी तथा संदिग्धावस्था में मौत पर धारा 304-बी के झूठे मुकदमों की भरमार हो गई, वर पक्ष, परिवार कराह उठे तब 2005 में घरेलू हिंसा कानून बना। पहले तो लोगों ने इसे आपराधिक मामला समझा पर पता लगा कि यह दीवानी है, आदेश नहीं मानने पर आपराधिक है। हालांकि यह कानून अच्छी राहत प्रदान करता है (ससुराल वाले जेल नहीं जाते) जैसे- सरकार द्वारा नियुक्त सुरक्षा अधिकारी और सेवा प्रदाता आपकी रक्षा करते हैं, किसी कारणवश अदालत से आदेश लाना संभव नहीं होता तो आदेश भी ला देते हैं। यह अदालत एक जगह, एक साथ, शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और भावनात्मक शोषण से बचाती है, गाली-गलौज, तानों से बचाती है। आपका स्त्रीधन, संपत्ति सुरक्षित रखती है, दहेज से बचाती है। अलग घर, चिकित्सा, नौकरी करने की आजादी, साथ रहने की सुरक्षा वगैरह सब एक जगह देती है।

पर इतने कानूनों के बाद होता क्या है? अब एक शादी होती है। ज्यादातर इकलौता लड़का होता है। लड़की के साथ उसका पूरा परिवार होता है। बिना दहेज या खुद से कुछ देकर लड़की वाला विवाह करता है। शादी के बाद लड़की दोनों तरफ का दान, दहेज, उपहार लेकर आती है। लेकिन यह भी देखें, नामचीन लेखक का घर है। उसी रात एक मिनी ट्रक लेकर साला आता है, बहन, भाई सामान के साथ घर से चले जाते हैं। एक जगह लड़की ससुराल आती है- साथ मां, भाई वहीं साथ रहते हैं-लड़के के घर वालों को जलील, प्रताड़ित करते हैं-498(ए), 307, 323, 377, 406 और 120 (बी) आईपीसी का केस करते हैं, लड़के के माता-पिता, 4 बहनों और लड़के पर एक राज्य में घरेलू हिंसा कानून का अलग, दूसरे राज्य में मेंटेनेंस का, तीसरे राज्य में आदि। लड़के की बड़ी नौकरी जा सकती है, रुपया बेशुमार खर्च होता है, बच्चा भी मायके चला जाता है। 10-12 साल गुजर जाते हैं। न तलाक होता है, न वैवाहिक सुख।

पत्नी अपने माता-पिता, भाई-बहन, बच्चे के साथ ऐलिमॅनि एक करोड़ 50 लाख, मकान के साथ स्वर्ग का आनंद ले रही है। पर अब सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय को बात समझ आ रही है। कुछ फैसले आ रहे हैं, पर दर-दर की ठोकरों के बाद। लड़कियां ऐलिमॅनि ले दूसरी, तीसरी शादी सेपरहेज नहीं करतीं। यह कैसा समाज है? यह लड़कियों की कैसी रक्षा है? इकलौता लड़का या दूसरा, तीसरा ही सही आत्महत्या की कगार पर है।

इंडसंड बैंक में 10 फीसदी तक हिस्सेदारी खरीदेगी एसबीआई म्यूचुअल फंड

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की म्यूचुअल फंड शाखा एसबीआई म्यूचुअल फंड (एसबीआईएमएफ) को प्राइवेट कर्जदाता इंडसइंड बैंक में 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने के लिए मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बैंक ने यह मंजूरी 11 अक्टूबर को दी। सूचना में यह भी बताया गया है कि अधिग्रहण पूरा होने के बाद एसबीआईएमएफ के इंडसंड बैंक के वोटिंग राइट्स में भी 9.99 फीसदी की हिस्सेदारी मिलेगी। बता दें कि एसबीआईएमएफ एक जॉइंट वेंचर है, इसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और फ्रांस के एएमयूएनडीआई की हिस्सेदारी है। इंडसइंड बैंक ने एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में बताया है कि एसबीआईएमएफ को आरबीआई ने एक साल की अवधि के भीतर 10 अक्टूबर 2024 तक बैंक में शेयर होल्डिंग हासिल करने की सलाह दी है। आरबीआई ने अपने बयान में एसबीआईएमएफ को यह तय करने के लिए भी कहा है कि बैंक में उसकी कुल हिस्सेदारी भुगतान की गई शेयर पूंजी या वोटिंग राइट्स के 9.99 प्रतिशत से अधिक न हो। गौरतलब है कि इसके पहले मई में एसबीआईएमएफ स्ब्क्ळ्स्न को भारत के एक बड़े बैंक ॥ष्ठस्न्नष्ट क्च्ड्डठ्ठद्म में 9.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए रिजर्व क ने मंजूरी दी थी। बैंक ने एसबीआईएमएफ को यह भी सलाह दी थी कि वह इस अधिग्रहण को छह महीने के भीतर पूरा कर ले।

जेटीएल का दूसरी तिमाही में मुनाफा 34 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । जेटीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में मुनाफा 34.1 प्रतिशत बढ़कर 27.91 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा 20.80 करोड़ रुपये रहा था। जेटीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि जुलाई-सितंबर अवधि में कंपनी की कुल आय बढ़कर 505.12 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल समान अवधि में 366.99 करोड़ रुपये थी। जेटीएल इंडस्ट्रीज प्रति वर्ष छह लाख मीट्रिक टन से अधिक की उत्पादन क्षमता के साथ विद्युत प्रतिरोध वेल्डेड स्टील पाइप का अग्रणी उत्पादक है।

वेदांता बेस मेटल्स लिमिटेड का गठन, कंपनी अपने बेस मेटल कारोबार को कर रही अलग

नई दिल्ली: वेदांता लिमिटेड अपने बेस मेटल कारोबार को एक अलग कंपनी बना कर रही है। इससे वेदांता को अपने अन्य बिजनेस, जैसे तेल और गैस, एल्यूमीनियम और बिजली पर ध्यान केंद्रित करने में सहूलियत होगी। साथ ही उन्हें बेस मेटल बिजनेस को संचालित करने और बढ़ाने में आसानी होगी। वेदांता बेस मेटल्स लिमिटेड को कंपनी के मेटल बिजनेस को संभालने के लिए बनाया गया है। वेदांता लिमिटेड ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा, ÷हमने वेदांता बेस मेटल्स लिमिटेड नाम की एक नई कंपनी बनाई है, जिसका पूर्ण स्वामित्व हमारी कंपनी के पास है। यह भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियमों के अनुसार 9 अक्टूबर, 2023 को शुरू की गई। पिछले महीने वेदांता ने घोषणा की थी कि उसके बोर्ड की इजाजत के अनुरूप वेदांता अपने कारोबार को छह अलग-अलग कंपनियों में बांट कर रही है, जिनमें से प्रत्येक को स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट किया जाएगा। इसे पूरा होने में 12-15 महीने लगने की उम्मीद है। यह ज्यादा केंद्रित और कुशल बिजनेस बनाने के लिए किया जा रहा है। इससे निवेशकों के लिए उन व्यवसायों में निवेश करना भी आसान हो जाएगा जिनमें वे रुचि रखते हैं। वेदांता लिमिटेड की मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज को उसके कर्ज के बारे में चिंताओं के कारण क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा डाउनग्रेड कर दिया गया है। कंपनी पर 6.4 अरब डॉलर का कर्ज बकाया है। वेदांता लिमिटेड छह अलग-अलग कंपनियों में बंट रही है। प्रत्येक कंपनी अलग-अलग बिजनेस पर ध्यान केंद्रित करेगी, जैसे एल्यूमीनियम, तेल और गैस, या बिजली।

खनन शेयरों में गुरुवार के कारोबार के दौरान उछाल

मुंबई।

माइनिंग शेयरों में गुरुवार को तेजी आई, जिसके कारण निफ्टी मेटल इंडेक्स ने मजबूत बढ़त दर्ज की। बोनांजा पोर्टफोलियो के रिसर्च एनालिस्ट वैभव विदवानी ने कहा कि एमओ आईएल ने 7.9 प्रतिशत की छलांग लगाई, जबकि एनएमडीसी और गुजरात खनिज विकास निगम (जीएमडीसी) ने क्रमशः 5.79 प्रतिशत और 5.30 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। बुधवार को कैबिनेट ने रॉयल्टी दरों को मंजूरी देकर लिथियम, नाइओबियम और कई दुर्लभ अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) सहित महत्वपूर्ण खनिजों के खनन की अनुमति दी है। सरकार लिथियम पर लंदन मेटल एक्सचेंज मूल्य निर्धारण के 3 प्रतिशत, नाइओबियम पर औसत बिक्री मूल्य के 3 प्रतिशत और आरईई पर दुर्लभ पृथ्वी ऑक्साइड के औसत बिक्री मूल्य के 1 प्रतिशत पर 'उचित' रॉयल्टी दरें लगाएगी। वैभव विदवानी ने कहा कि निफ्टी ने दिन का समापन नरम रुख के साथ किया, जबकि निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी मेटल ने क्रमशः 1.11 प्रतिशत और 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ बेहतर प्रदर्शन किया। गुरुवार को निफ्टी 50 इंडेक्स 17 अंक गिरकर 19,794 पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 60 अंक गिरकर 66,408 पर बंद हुआ। उन्होंने कहा कि टीसीएस ने बुधवार को दूसरी तिमाही का मुनाफा जारी किया जो बाजार के अनुमान के अनुरूप था,

लेकिन पुनर्खरीद मूल्य पिछले बायबैक मूल्य से काफी कम था। 4,150 रुपये प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर, टीसीएस बोर्ड ने 17,000 करोड़ रुपये के बायबैक को मंजूरी दी। कई वर्षों में पहली बार, अमेरिकी डॉलर राजस्व में गिरावट आई, हालांकि दूसरी तिमाही ईबीआईटी मार्जिन पूर्वानुमान से ऊपर था। निफ्टी पर शीर्ष लाभ पाने वालों में बीपीसीएल, कोल इंडिया, मारुति सुजुकी, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन शामिल हैं। जबकि, नुकसान वालों में टेक महिंद्रा, अपोलो हॉस्पिटल्स, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और इंफोसिस शामिल रहे।

भारत की आर्थिक वृद्धि में रत्न एवं आभूषण क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका: गडकरी

नई दिल्ली: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि रत्न एवं आभूषण क्षेत्र ने भारत की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गडकरी ने अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रत्न एवं आभूषण उत्पादों का निर्यात बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''रत्न एवं आभूषण क्षेत्र सरकार को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का भुगतान करता है। इसके साथ ही वह रोजगार के अवसर पैदा करने में भी अहम भूमिका निभाता है। इस क्षेत्र की भारत की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हालांकि, गडकरी ने यह स्वीकार किया कि इस समय भारतीय आभूषण विनिर्माताओं को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन आभूषण विनिर्माता अपने गहनों की डिजाइन में सुधार कर हीरों के वैश्विक आभूषण कारोबार पर दबदबा बना सकते हैं। आभूषण विनिर्माताओं, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और निर्यातकों के शीर्ष व्यापार निकाय जीजेसी ने बुधवार को आभूषण शॉपिंग फेस्टिवल के शुभारंभ की घोषणा की।

कच्चा नमक बनाने वाली कंपनी ने शेयर बाजार में मचाई धमक

मुंबई । कच्चा नमक बनाने और रिफाइन करने वाली कंपनी गोयल साल्ट के शेयरों की बुधवार को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर धमाकेदार एंट्री हुई। हालांकि 200 फीसदी से ज्यादा का लिस्टिंग गेन देने के बाद भी इसके शेयरों में तेजी टिकी नहीं और ये लिस्टिंग के बाद ही शेयर धड़ाम से नीचे आ गए। आईपीओ के तहत 38 रुपये के भाव पर शेयर जारी हुए हैं। बुधवार को एनएसई एसएमई पर इसकी 130 रुपये के भाव पर एंट्री हुई है यानी कि आईपीओ निवेशकों को 242 फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला। लिस्टिंग के बाद शेयर लुढ़ककर 124 रुपये पर आ गए है यानी कि आईपीओ निवेशक 226 फीसदी मुनाफे में हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 49.02 लाख नए शेयर जारी हुए हैं। गोयल साल्ट का 18.63 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 26 सितंबर-3 अक्टूबर के बीच खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों का अच्छा रिस्पांस मिला था और ओवरऑल 294.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाईड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का हिस्सा 67.20 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का हिस्सा 382.45 गुना और खुदरा निवेशकों का हिस्सा 377.97 गुना भरा था। कंपनी साल 2010 में बनी थी। कंपनी खाने वाले नमक के साथ-साथ इंडस्ट्रियल इस्तेमाल वाला नमक भी बनाती है। यह साबुन, डिटर्जेंट, केमिकल, कपड़ा और रंगाई, कांच, प्लास्टिक, रबर, पॉलिएस्टर और चमड़ा बनाने वाले इंडस्ट्रीज को नमक सप्लाई करती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 65 , निफ्टी 17 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ, इससे पिछले दो दिनों से जारी तेजी पर अंकुश लग गया। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी आईटी शेयरों के नीचे आने से आई है। आज बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी नीचे आया हालांकि बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 0.3 फीसदी और 0.6 फीसदी की बढ़त के साथ तेजी जारी रही। आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई पर उसके बाद आईटी शेयरों के गिरने से बाजार नीचे आने लगा। निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टीसीएस के कमजोर आर्थिक माहौल से भी घरेलू बाजार में दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.66 अंक तकरीबन 0.10 फीसदी नीचे आकर 66,408.39 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 66,577.60 तक ऊपर जाने के बाद 66,339.42 तक गिरा। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाले निफ्टी में भी 17.35 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी की हल्की गिरावट रही। इसके कारण निफ्टी दिन के अंत में 19,794.00 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,843.30 तक उछलने के बाद 19,772.65 तक गिरा।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 16 शेयर लाभ के साथ ही बढ़कर बंद हुए। मारुति, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा लाभ मारुति के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.73 फीसदी तक उछले। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील, आईटीसी, टाटा

मोटर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन और सन फार्मा के शेयर भी उछले।

दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 14 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक और बजाज फाइनैंस सेंसेक्स के नुकसान वाले रहे। सबसे ज्यादा 2.72 फीसदी तक का नुकसान टेक महिंद्रा के शेयरों को हुआ। वहीं विप्रो, नेस्ले इंडिया, कोटक बैंक, एसबीआई, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स के शेयर भी गिरे। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स करीब 70 अंकों की तेजी के साथ 66,500 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। हालांकि कुछ देर में यह गिरकर 66,379 के स्तर पर आ गया। वहीं निफ्टी में भी लगभग 20 अंकों की तेजी देखी गई और यह 19800 के पार पहुंच गया` फिर इसके बाद यह 19,780 के स्तर पर दिखाई दिया।

केरल के विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह पर विशाल क्रेन ले जाने वाले पहले जहाज को जल सलामी

तिरुवनंतपुरम-

चीन से विशाल क्रेन लेकर केरल के विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह पर पहुंचे पहले मदर शिप को गुरुवार को पारंपरिक जल सलामी दी गई। विशाल जहाज जेन-हुआ 15 अगस्त में चीन के तटों से रवाना हुआ था और इस महीने की शुरुआत में इसकी पहली बर्थिंग गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर हुई थी और वहां से यह जहाज बुधवार को विझिंजम के बाहरी जल में पहुंचा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल सहित अन्य लोग रविवार को बंदरगाह पर आधिकारिक तौर पर जहाज का स्वागत करेंगे। पिछले महीने ही सीएम विजयन और शीर्ष अधिकारियों ने बंदरगाह का नाम विझिंजम इंटरनेशनल सीपोर्ट, तिरुवनंतपुरम रखा था और एक समारोह में इसका लोगो जारी किया था और इसे केरल का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया था। अब अंततः चालू होने के बाद, यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री ट्रांसशिपमेंट के लिए प्रवेश द्वार खोलने जा रहा है, जिसमें एक बड़ी क्षमता है। गौरतलब है कि 5 दिसंबर, 2015 को अदाणी द्वारा बंदरगाह की शुरुआत के दौरान, इसके संस्थापक गौतम अदाणी ने घोषणा की थी कि पहला जहाज 1,000 दिनों से भी कम समय के रिकॉर्ड समय में 1 सितंबर, 2018 को यहां पहुंचेगा। लेकिन विभिन्न कारकों के कारण समय सीमा को पूरा करने में विफल रहा। फिलहाल बंदरगाह पर पहले चरण का 80 फीसदी से ज्यादा काम खत्म हो चुका है। पहला जहाज आने के तुरंत बाद, सात और जहाज आने वाले हैं और अगले साल मई में बंदरगाह को वाणिज्यिक परिचालन के लिए खोल दिया जाएगा। इस परियोजना पर मुख्यमंत्री ओमन चांडी (2011-16) के तहत कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ

सरकार द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे और बंदरगाह पर काम चांडी के कार्यकाल के अंत में शुरू हुआ था। विजयन सरकार के सत्ता संभालने के बाद, कई कारणों से, चांडी सरकार द्वारा निर्धारित गति का पालन नहीं किया जा सका। 2017 में चक्रवात ओखी के निर्माण स्थल पर आने के बाद, निर्मित ब्रेकवाटर का एक हिस्सा बह गया और तब से परियोजना के लिए सबसे महत्वपूर्ण कच्चे माल चूना पत्थर की कमी के कारण एक और देरी हुई।

बिना पैन के आईएफएससी -गिफ्टी सिटी में खाता खोल सकती हैं विदेशी कंपनियां

नई दिल्ली: प्रवासियों और विदेशी कंपनियों को आईएफएससी गिफ्ट सिटी में बैंक खाता खोलने के लिए पैन (स्थायी खाता संख्या) नहीं देना होगा। इसके बजाय उन्हें एक घोषणा दाखिल करना होगी। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में बैंक खाता खोलने वाले अनिवासी या विदेशी कंपनी को फॉर्म-60 में तहत घोषणा देनी होगी। साथ ही उनपर भारत में कोई कर देनदारी नहीं होनी चाहिए। वित्त मंत्रालय ने आयकर नियमों में संशोधन कर बैंक खाता खोलने वाले गैर-निवासियों को पैन जमा करने की जरूरत से छूट दे दी है। नांगिया एंडरसन एलएलपी के साझेदार सुनील गिडवानी ने कहा कि इस छूट से विदेशी कंपनियों, एनआरआई और अन्य गैर-निवासियों के लिए आईएफएससी बैंक में खाता खोलना आसान हो जाएगा। गिडवानी ने कहा, यह आईएफएससी में बैंक की देनदारी/जमा पक्ष के साथ-साथ खुदरा व्यापार खंड को बढ़ावा देगा।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में वाहनों की खुदरा बिक्री नौ प्रतिशत बढ़ोतरी: फाडा

- अप्रैल-सितंबर में वाहनों की बिक्री बढ़कर 1.10 करोड़ इकाई हो गई

नई दिल्ली ।

भारत में यात्री वाहनों तथा तिपहिया वाहनों के अभी तक के सर्वाधिक पंजीकरण की वजह से चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर में वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ऑटो डीलरों के निकाय फाडा ने यह जानकारी दी। इस वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर में वाहनों की बिक्री बढ़कर 1.10 करोड़ इकाई हो गई, जबकि 2022-23 वित्तीय वर्ष की समान अवधि में यह 1.01 करोड़ इकाई थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में वाहनों की बिक्री में लचीलापन रहा जिससे कुल खुदरा वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में सभी श्रेणियों में सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें तिपहिया वाहनों के पंजीकरण में अधिकतम वृद्धि देखी गई। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में यात्री वाहन (पीवी) की खुदरा बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 18,08,311 इकाई हो गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 17,02,905 इकाई थी। इसमें न केवल सालाना आधार पर छह प्रतिशत की वृद्धि हुई, बल्कि रिकॉर्ड खुदरा बिक्री भी देखी गई वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में यात्री वाहन की खुदरा बिक्री 18,08,311 इकाई के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। यह वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही के 17,02,905 इकाई के पिछले रिकॉर्ड को भी पार कर गई। उन्होंने कहा कि लगातार दो वित्त वर्षों में यात्री वाहन खंड की निरंतर वृद्धि लचीली मांग और विविध तथा गतिशील पेशकशों के लिए बाजार की

सकारात्मक प्रतिक्रिया का प्रमाण है। अप्रैल-सितंबर अवधि में तिपहिया वाहनों का पंजीकरण 66 प्रतिशत बढ़कर 5,33,353 इकाई हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 3,21,964 इकाई था। पहली छमाही में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 78,28,015 इकाई हो गई। वाणिज्यिक वाहन की बिक्री बढ़कर 4,65,097 इकाई हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 4,50,458 इकाई से तीन प्रतिशत अधिक है। अप्रैल-सितंबर में ट्रैक्टर पंजीकरण सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 4,44,340 इकाई हो गया। फाडा के अनुसार उसने 1,440 आरटीओ में से 1,352 से वाहन पंजीकरण आंकड़े एकत्र किए। सिंघानिया ने कहा कि त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने की उम्मीद है।

मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 92 अरब डॉलर के पार

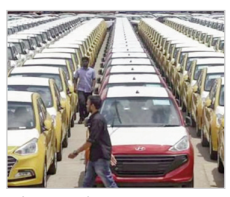

– गौतम अडानी की नेटवर्थ लुढ़क कर 82 अरब डॉलर से 68 अरब डॉलर पर आ गई

नई दिल्ली ।

फोर्ब्स एशिया द्वारा जारी की गई भारत के 100 सबसे अमीरों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने एक बार फिर पहला स्थान प्राप्त कर` लिया है। उनकी नेटवर्थ 92 अरब डॉलर आंकी गई है। भारतीय करेंसी में यह 7.65 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। रिलायंस इंडस्ट्रीज आज कई क्षेत्रों में वस्तु एवं सेवाएं दे रही है। कंपनी का पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई करने का श्रेय मुकेश अंबानी को दिया जाता है। दूसरे स्थान पर अडानी समूह के गौतम अडानी एवं उनका पे रिवार है। उनकी संपत्ति में इस साल तेज गिरावट देखने को मिली थी। पिछले साल वह इस सूची में पहले स्थान पर थे लेकिन यूएस की शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग की एक रिपोर्ट से उनकी लिस्टेड कंपनी के शेयरों को जबरदस्त धक्का लगा और उनकी नेटवर्थ लुढ़क कर 82 अरब डॉलर से 68 अरब डॉलर पर आ गई।

मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बाद तीसरे स्थान पर एचसीएल के संस्थापक और मानद चेयरमैन शिव नादर हैं। उनकी कुल नेटवर्थ 29.3 अरब डॉलर है। उन्होंने इस साल 2 स्थानों की बढ़त हासिल की है। चौथे स्थान पर ओपी जिंदल समूह की सावित्री जिंदल एंड फैमिली है। 46 फीसदी के इजाफे के साथ उनकी नेटवर्थ 24 अरब डॉलर हो गई है। 5वें स्थान पर डीमार्ट के संस्थापक और स्टॉक मार्केट के दिग्गज राधाकिशन दमानी एंड फैमिली है। हालांकि, उनकी नेटवर्थ में गिरावट आई है और यह 4 अरब डॉलर से ज्यादा घटकर 23 अरब डॉलर पर रह गई है।

छठे स्थान पर सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के एमडी साइरस पूनावाला हैं। उनकी नेटवर्थ 20.7 अरब डॉलर है। 20 अरब डॉलर के सात सातवें स्थान पर हिंदुजा फैमिली है। आठवें स्थान पर दिलीप सांघवी एंड फैमिली है जिसकी नेटवर्थ 19 अरब डॉलर है। कुमार बिड़ला 17.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ नौंवे स्थान पर हैं। 10वें स्थान पर शपूर मिस्त्री एंड फैमिली है। फोर्ब्स की 100 सबसे रईस भारतीयों की सूची में 3 नए नाम भी शामिल हुए हैं। इसमें पहला नाम एशियन पेंट्स वाली दानी फैमिली का है।

कच्चे तेल में गिरावट, कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गुरुवार को हल्की गिरावट दिख रही है। गुरुवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 83.15 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड भी 85.57 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 40 पैसे और डीजल 39 पैसे बढ़कर बिक रहा है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत में 44 और डीजल में 41 पैसे का इजाफा दिख रहा है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में भी पेट्रोल और डीजल के दाम में तेजी दिख रही है।

दूसरी ओर झारखंड, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत कुछ अन्य राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दाम में बेहद मामूली गिरावट है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.77 रुपए और डीजल 94.37 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.81 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

नोएडा से इस बार 93 कंपनियां लेंगी ग्राउंड बेकिंग सेरेमनी में हिस्सा, 60 हजार करोड़ का निवेश

नोएडा।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में फरवरी में प्रस्तावित ग्राउंड बेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के लिए नोएडा को 90 हजार करोड़ का टारगेट मिला था। जिसमें से नोएडा ने 60 हजार करोड़ का टारगेट अचीव कर लिया है और नोएडा से 93 कंपनियां ग्राउंड बेकिंग सेरेमनी में भाग लेंगी। इन कंपनियों का दायित्व है कि पांच साल में निर्माण करेंगी और करीब 1.5 लाख का रोजगार देंगी। हालांकि अब भी 40 हजार करोड़ का ग्राउंड तैयार करना बाकी है जिसके लिए नोएडा नए सेक्टरों को विकसित कर रहा है। फरवरी में इन्वेस्टर समिट के दौरान प्राधिकरण के साथ करीब 97 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव के एमओयू हुए थे। इसमें से 90 हजार करोड़ के प्रस्ताव को जीबीसी में लाया जा रहा है। जिन 93 कंपनियों की बात हो रही है उनका प्लाट का आवंटन, नक्शा पास और अन्य कागजी कार्य लगभग पूरे किए जा चुके है। इसमें प्राधिकरण के संस्थागत यानी आईटी/आईटीईएस 32 इकाई, इंडस्ट्री की 38 यूनिट, ग्रुप हाउसिंग की 11 और कॉमर्शियल की 12 इकाई शामिल हैं। प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री ने बताया कि जीबीसी में इतना बड़ा ग्राउंड तैयार करने वाला नोएडा पहला शहर है। ग्रांउड ब्रेकिंग में सबसे बड़ा निवेश दो कंपनियां कर रही है। इसमें एक एम3एम है। ये कंपनी नोएडा में 7500 करोड़ का निवेश कर रही है। ये कंपनी नोएडा में रेजिडेंशियल ऑफिस, रेटिल सर्विस देगी। इस निवेश से करीब 14 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

विश्वकप क्रिकेट: बांग्लादेश पर जीत के इरादे से उतरेगी न्यूजीलैंड

चेन्नई (एजेंसी)। विश्वकप में अब तक दोनो ही मैच जीतकर शानदार शुरुआत करने वाली न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। न्यूजीलैंड की टीम को इस मैच में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है क्योंकि उसने अपने मुकाबले आसानी से जीते हैं। कीवी टीम इस मैच को जीतकर अपनी जीत की लय बनाये रखना चाहेगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों टीमों के बीच 41 बार मुकाबला हुआ है जिसमें न्यूजीलैंड ने 30 जबकि बांग्लादेश ने दस मुकाबे जीते हैं। वहीं एक मुकाबले का परिणाम नहीं निकला।

इस मैच में नियमित कप्तान केन विलियमसन और अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी की वापसी से भी न्यूजीलैंड टीम बेहतर हुई है। ये दोनो ही चोटिल होने के कारण इंग्लैंड और नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से बाहर थे। ऐसे में टॉम लाथम ने टीम की कप्तानी की थी। पहले दोनो ही मैचों में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया था। कीवी कोच गैरी स्टीड ने कहा कि विलियमसन अब चोट से उबर चुके हैं और साउदी भी सर्जरी के बाद फिट हैं। टीम के लिए अब अंतिम ग्यारह का चयन मुश्किल होगा क्योंकि विलियमसन की जगह तीसरे नंबर पर उतरे बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने एक शतक और एक अर्धशतक बनाया है,ऐसे किये बाहर किये जाता है ये देखना होगा।।

वहीं शीर्षक्रम में विल यंग, डेवोन कॉनवे और डेरिल मिशेल ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। चेपक स्टेडियम की पिच पर न्यूजीलैंड को बांग्लादेश के स्पिनरों से सावधान रहना होगा। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रविवार को खेले गए मैच में इस पिच से स्पिनरों को काफी टर्न मिल रही थी।

वहीं दूसरी ओर पिछले मैच में इंग्लैंड से

हार के बाद भी बांग्लादेश को कमजोर नहीं समझा जा सकता क्योंकि उसके पास अच्छे स्पिनर हैं। कप्तान शाकिब अल हसन, मेहदी हसन और मेहदी हसन मिराज ने दो मैचों में 11 विकेट लिए हैं। वह इस प्रदर्शन को बनाये रखने पर जोर देंगे। वहीं कीवी टीम के पास भी मिचेल सेंटनेर जैसा स्पिनर हैं। सेंटनेर ने इस विश्व कप में सबसे अधिक सात विकेट लिए हैं।

बांग्लादेश को बल्लेबाजी अपने अनुभवी बल्लेबाजों शाकिब, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास और नजमुल शांतो से बेहतर प्रदर्शन की

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

बांग्लादेश = शाकिब अल हसन (कप्तान), लिट्टन दास, तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शंटो, तौहीद हृदय, मुशफिकुर रहीम, महमूदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नासुम अहमद, महेदी हसन, तास्किन अहमद, मुस्ताफिजुर रहमान, हसन महमूद, शरीफुल इस्लाम और तंजीम हसन साकिब।

न्यूजीलैंड = केन विलियमसन (कप्तान) , टॉम लाथम, डेवोन कोंवे, विल यंग, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिशेल सेंटनेर, ईश सोढी, टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट, लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी।

फर्ग्युसन जैसे गेंदबाज हैं, इसलिए वह हावी रहेगी। आईपीएल खेलने के कारण वे भारत के मैदानों को अच्छी तरह से जानते हैं।

शुबमन गिल ने अहमदाबाद में किया अभ्यास, भारत - पाकिस्तान मैच में खेल सकते हैं

अहमदाबाद (एजेंसी)। 14 अक्टूबर को भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले से पहले टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारतीय टीम के युवा ओपनर बल्लेबाज शुबमन गिल ने नेट्स पर प्रैक्टिस शुरू कर दी है। गिल बुधवार देर रात चेन्नई से अहमदाबाद पहुंचे। जिसके बाद गुरुवार की दोपहर वो स्टेडियम पहुंचे और नेट्स पर बल्लेबाजी की प्रैक्टिस करते नजर आए। उन्हें प्रैक्टिस करते देख पाकिस्तान के खिलाफ उनके खेलने की उम्मीद जगी है।

बता दें कि, अहमदबादा के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट जगत की दो चिर परिचित प्रतिद्वंदी टीमें आपस में भिड़ेंगी। दोनों ही टीमें अहमदाबाद पहुंच चुकी हैं वहीं दोनों ही वर्ल्ड कप में अभी तक दो-दो मुकाबले खेल चुकी है जिसमें दोनों को लगातार जीत हासिल हुई है। वहीं शुबमन गिल अभी तक एक भी वर्ल्ड कप मैच नहीं खेल पाए हैं। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उन्हें डेंगू हो गया था, उनके प्लेटलेट्स गिरने के बाद उन्हें चेन्नई स्थित हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था, अब वह ठीक हैं और अहमदाबाद में टीम के साथ जुड़ चुके हैं।

हालांकि, ये अभी तय नहीं है कि, गिल पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे कि नहीं। लेकिन उनके नेट्स पर प्रैक्टिस करने से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वो फिट हैं। इससे पहले भारतीय टीम द्वारा खेले गए दो मुकाबले पहले ऑस्ट्रेलिया और फिर अफगानिस्तान में उनकी जगह ईशान किशन ने रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग की थी। अगर गिल की फिटनेस को लेकर हल्का सा भी संदेह होगा तो टीम मैनेजमेंट उन्हें खिलाने की जल्दबाजी नहीं करेगा। वैसे भी टीम इंडिया ने दोनों मैच जीते हैं और टूर्नामेंट में आगे और भी कई अहम मैच खेले जाने हैं। लेकिन अगर वह मैच के लिए फिट हैं तो ज्यादा संभावना है कि उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाएगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल की अगुआई करेंगे संजू सैमसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संजू सैमसन को 16 अक्टूबर से छह नवंबर तक अलग-अलग वेन्यू पर होने वाले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के लिए गुरुवार को केरल का कप्तान नियुक्त किया गया। केरल ग्रुप बी में अपने अभियान की शुरुआत मुंबई में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगा।

केरल और हिमाचल के अलावा ग्रुप बी में सिक्किम, असम, बिहार, चंडीगढ़, ओडिशा, सेना और चंडीगढ़ को जगह मिली है। सैमसन इस टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन से राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे। केरल की टीम को इस साल ऑलराउंडर श्रेयस गोपाल के उसके साथ जुड़ने से मजबूती मिली है। वह कर्नाटक को छोड़कर पिछले महीने केरल से जुड़े।

स्पिन विभाग में गोपाल का साथ अनुभवी जलज सक्सेना देंगे जो पिछले रणजी ट्रॉफी सत्र में 50 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे। रोहन कुन्नुमल को उप कप्तान बनाया गया है जबकि तमिलनाडु के पूर्व क्रिकेटर एम वेंकटरमन्ना मुख्य कोच होंगे।

टीम इस प्रकार है: संजू सैमसन

(कप्तान), रोहन कुन्नुमल, श्रेयस गोपाल, जलज सक्सेना, सचिन बेबी, मोहम्मद अजहरुद्दीन, विष्णु विनोद, अब्दुल बासित, सिजोमन जोसेफ, वैसाख चंद्रन, बासिल थम्पी, केएम आसिफ, विनोद कुमार, मनु कृष्णन, वरुण नयनार, एम अजनास, पीके मिथुन और सलमान निसार।

सूर्यकुमार की जब भी जरूरत होगी उसे शामिल करेंगे: विक्रम राठौड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ही जब भी टीम को जरुरत महसूस होगी। उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन का मानना है कि सूर्यकुमार को सही समय पर अवसर मिलना चाहिए। हमें हर किसी का समर्थन करने की जरूरत है। जो कोई भी खेल रहा है उसे पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। अगर ऐसी स्थिति है जहां हमें लगता है कि सूर्या को होना चाहिए तो हम निश्चित रूप से उसे जगह देंगे।

वहीं कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज के एल राहुल पांचवें नंबर पर ही खेलते रहेंगे। साथ ही कहा कि राहुल को नंबर 4 पर आने की कोई योजना नहीं है

क्योंकि वह अपने 5वें स्थान पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में 97 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी जिसके बाद ही उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजने की बातें कही जा रहीं थीं।

वहीं बल्लेबाजी कोच ने कहा कि नहीं, फिलहाल नहीं क्योंकि वह नंबर 5 पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और श्रेयस ने नंबर 4 पर हमारे लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए कोई प्रलोभन नहीं है। वहीं, सूर्यकुमार यादव पर बल्लेबाजी कोच ने कहा कि अगर थिंक टैंक को टूर्नामेंट के दौरान किसी भी समय ऐसा करने की जरूरत महसूस हुई तो वह इस बल्लेबाज को टीम में लाएंगे।

वहीं कहा कि शुभमन गिल की अनुपस्थिति में ईशान किशन ही पारी की शुरुआत करते रहेंगे। राठौर ने कहा कि उन्होंने पहले भी कई बार पारी की शुरुआत की है। यही कारण है कि वह टीम में हैं। हम जानते थे कि वह शीर्ष पर बल्लेबाजी के साथ ही मध्य क्रम में भी खेल सकते हैं।

महिला क्रिकेट का घरेलू सत्र 19 अक्टूबर से , मंधाना महाराष्ट्र से खेलेंगी

नई दिल्ली। महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना के घरेलू सत्र में महाराष्ट्र की ओर से खेलने की संभावना है। ये 19 अक्टूबर से अगले साल 26 जनवरी तक आयोजित होगा इसी कारण मंधाना ने महिलाओं की बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) से भी नाम वापस ले लिया था। तब मंधाना ने कहा था कि वह आगामी घरेलू सत्र पर ध्यान लगाना चाहती हैं और साथ ही आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय वर्ष के लिए अपने कार्यभार का प्रबंधन करना चाहती हैं। वहीं डब्ल्यूबीबीएल में भारत की हरमनप्रीत (मेलबर्न रेनेगेड्स) और जेमिमा (मेलबर्न स्टार्स) से खेलेंगी। मंधाना पिछले साल भी डब्ल्यूबीबीएल में शामिल नहीं हुई थीं। रिपोर्ट के अनुसार डब्ल्यूबीबीएल 19 अक्टूबर से दो दिसंबर तक चलेगा। इसके लिए इंग्लैंड विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट पूल में सबसे आगे हैं जिसकी 35 खिलाड़ी इसमें शामिल हैं। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका 20 खिलाड़ियों से दूसरे नंबर पर है जिसमें करिश्माई सलामी बल्लेबाज लौरा वोलवार्ट, लिजेल ली और शबनीम इस्माइल मौजूद हैं।

विराट ने सचिन का सबसे अधिक अर्धशतक का रिकार्ड तोड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने गत दिवस दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में अपना अर्धशतक पूरा करते ही महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का एक रिकार्ड तोड़ दिया। विराट ने इसी के साथ ही सबसे अधिक 46 अर्धशतक लगा दिये। वहीं सचिन के नाम 45 अर्धशतक का रिकार्ड था। विराट ने लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे अधिक अर्धशतक लगाये हैं। वहीं सचिन दूसरे ओर रोहित शर्मा 38 अर्धशतकों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। जैक्स कैलिस 37 अर्धशतक के साथ ही चौथे और रिकी पोंटिंग 37 अर्धशतक के साथ पांचवे नंबर पर हैं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित ने लक्ष्य का पीछा करते हुए रिकॉर्ड 38 बार 50 से अधिक रन बनाये हैं। रोहित अब एकदिवसीय विश्व कप में 1000 रन तक पहुंचने वाले संयुक्त रूप से सबसे तेज बल्लेबाज बन गये हैं। इसके अलावा उनके नाम सबसे अधिक छक्के का भी रिकार्ड है। रोहित ने विश्व कप में 7 शतक लगाये हैं जोकि रिकॉर्ड हैं। इस प्रकार उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 45 पारियों में 6 शतक लगाने के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया।

अकरम, मलिक सहित पूर्व दिग्गज बोले, रोहित की पारी देखकर पाकिस्तान टीम पर पड़ेगा दबाव

लाहौर । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने जिस प्रकार अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी की है। उसकी पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज बल्लेबाजों ने जमकर सराहना की है। उनका कहना है कि इससे पाक टीम भारत के खिलाफ शनिवार को होने वाले मुकाबले को लेकर दबाव में रहेगी। अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में रोहित जबरदस्त लय में नजर आये और उन्होंने पारी की शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी शुरु कर दी। रोहित के सामन अफगान गेंदबाजों की एक न चली। उन्होंने केवल 84 गेंदों पर 16 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 131 रनों की पारी खेली। रोहित की पारी देखकर पाक प्रशंसकों की धड़कने भी बढ़ गयी हैं। पाक के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम ने रोहित की जमकर प्रशंसा की है। अकरम ने कहा, 'भारत ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह लाजवाब है, उन्होंने कोई अवसर नहीं दिया। ऐसा लगता है कि रोहित के पास दूसरे बल्लेबाजों की तुलना में ज्यादा समय होता है। उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखना आनंददायक होता है। वहीं शोएब मलिक रोहित जब मैच में टॉस के लिए आए थे तभी वह अतिरिक्त आत्मविश्वास से भरे थे। साथ ही कहा कि जब भी आप पहला मैच बड़ी टीम से खेलते हैं और जीतते हैं। जैसा कि वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले और जीते, इसके बाद आप अलग आत्मविश्वास लेकर अगली टीम के खिलाफ उतरते हैं। इसके अलावा पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक ने कहा, 'यह बल्लेबाजी देखने के बाद मुझे लगता है कि जिन टीमों को आगे खेलना है, पाकिस्तान को आगे भारत से खेलना है, वे निश्चित रूप से दबाव में होंगी। गेंदबाजों को को समझ में ही नहीं आएगा कि गेंद फेंकनी हैं। अकरम बोले कि गेंदबाजों के सामने केवल यही सवाल होगा कि बचना किस तरह से है। वहीं पूर्व विकेटकीपर मोईन खान ने कहा कि उन्हें जल्द आउट करने के लिए यार्कर और बाउंसर का सहारा लेना होगा।

गेल से ही प्रेरणा ली है , सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद बोले रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्कों का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उन्हें इस सफर में खुद 'यूनिवर्सल बॉस' से प्रेरणा ली है। अफगानिस्तान के खिलाफ फिरोजशाह कोटला मैदान पर विश्व कप के मैच में रोहित ने 81 गेंद में 131 रन बनाये। उन्होंने पांच छक्के लगाकर तीनों प्रारूपों में 556 छक्के पूरे किये जो गेल से तीन ज्यादा है।

रोहित ने 453 मैचों में यह आंकड़ा छुआ जो गेल से 30 मैच कम है। रोहित ने बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किये गए वीडियो में कहा ,'' यूनिवर्सल बॉस तो यूनिवर्सल बॉस है। मैने उनसे ही प्रेरणा ली है। इतने साल में हमने देखा है कि वह छक्के लगाने की मशीन है।'' उन्होंने कहा ,'' वह भी यही जर्सी (नंबर 45) पहनता है। मुझे यकीन है कि वह खुश होगा क्योंकि 45 नंबर की जर्सी के नाम ही विश्व रिकॉर्ड है।'' रोहित ने कहा कि छक्के लगाने की काबिलियत हासिल करने में काफी मेहनत लगी है।

उन्होंने कहा ,'' जब मैने खेलना शुरू किया तो कभी सोचा नहीं था कि छक्के लगा सकूंगा। इसके लिये काफी मेहनत की है और मुझे खुशी है कि वह रंग लाई।'' उन्होंने कहा ,'' मैं कभी संतुष्ट नहीं होता और मैं इस लय को कायम रखना चाहता हूं। मेरा फोकस उसी पर है। मेरे लिये यह खुशी का छोटा सा पल है।'' उन्होंने कहा ,'' यह विश्व कप है जिसका प्रारूप अलग है। नौ लीग मैच , सेमीफाइनल और फिर फाइनल। हमारे लिये यह महत्वपूर्ण है कि मैच दर मैच रणनीति बनायें।

आईसीसी ने कहा रिजवान पर नहीं कर सकते कार्रवाई , ये उनके बोर्ड का मामला

-फिलिस्तीनी लोगों के समर्थन में किये ट्वीट से भड़के लोग

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि विश्वकप मुकाबले के बाद फिलिस्तीन के पक्ष में ट्वीट करने वाले पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद रिजवान पर हम कोई कार्रवाई नहीं कर सकते क्योंकि ये मैदान से बाहर का मामला है। आईसीसी ने कहा कि इस मामले में जो भी कार्रवाई करनी है वह उनके क्रिकेट बोर्ड को करनी चाहिये। यह मामला पाक और श्रीलंका के बीच मुकाबले का है जिसमें शतक लगाने के बाद रिजवान ने कहा था कि मेरी ये पारी फिलिस्तीनी लोगों को समर्पित है। इससे बाद से ही सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना हुई है और बीसीसीआई वह आईसीसी से रिजवान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही। रिजवान ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह गाजा में हमारे भाइयों और बहनों के लिए था। जीत में योगदान देकर खुश हूं। इसे आसान बनाने के लिए पूरी टीम और विशेष रूप से अब्दुल्ला शफीक और हसन अली को श्रेय। अद्भुत आतिथ्य और समर्थन के लिए हैदराबाद के लोगों का बहुत आभारी हूं। रिजवान के इस ट्वीट के बाद आईसीसी से कार्रवाई की मांग होने लगी है। रिजवान के मुद्दे पर भी आईसीसी के एक्शन की मांग हुई। इसपर आईसीसी की तरफ से कहा गया कि यह खेल के मैदान के बाहर से का है, उनके क्षेत्र में नहीं है। यह व्यक्ति और उसके क्रिकेट बोर्ड का मामला है। रिजवान की आलोचना करते हुए कहा कि जिस प्रकार हमास के आतंकवादियों ने इजरायल में घुसकर लोगों की जानें लीं और कई लोगों को बंधक बनाकरक हत्यायें शुरु की है उसको देखते हुए रिजवान का ये बयान आतंकवाद को समर्थन देने का मामला है।

नडाल सहित ये पांच खिलाड़ी अगले साल वापसी करेंगे

सिडनी (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल और जापान की महिला खिलाड़ी नाओमी ओसाका सहित पांच खिलाड़ी अगले साल होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट से खेल में वापसी करेंगे। नडाल और ओसाका के अलावा वापसी करने वाले अन्य खिलाड़ी हैं। मेजबान ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस, डेनमार्क की महिला खिलाड़ी कैरोलिन वोज्नियाकी और जर्मनी की महिला खिलाड़ी एंजेलिक कर्बर भी इस टूर्नामेंट से वापसी करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन टूर्नामेंट के निदेशक क्रेग टिली ने कहा कि नडाल और किर्गियोस के चोट से उबरकर वर्ष 2024 में ऑस्ट्रेलिया ओपन में वापसी करने की उम्मीद है। यहां ये दोनो ही खिलाड़ी 10 बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच को टक्कर देंगे।

उन्होंने कहा,''साल 2022 के चैंपियन नडाल अपनी चोट से उबरने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मैं उनकी टीम के संपर्क में हूं और उन्होंने कोर्ट पर वापसी कर ली है और वह जनवरी में मेलबर्न में खेलने को लेकर उत्साहित हैं।'' वहीं ओसाका, वोज्नियाकी और कर्बर मातृत्व अवकाश के बाद 14 से 28 जनवरी के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट में वापसी के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में यह पहला अवसर होगा जबकि टूर्नामेंट की शुरुआत रविवार को होगी।

साओ पाउलो से खेलेंगे रोड्रिग्ज

रियो डी जेनेरो । कोलंबियाई फुटबॉलर जेम्स रोड्रिग्ज ने कहा है कि ब्राजील के क्लब साओ पाउलो से खेलने से पहले वह पुरी तरह से फिटनेस हासिल करने का प्रयास करेंगे। इस खिलाड़ी ने कहा कि वह साओ पाउलो के साथ अपने करियर का एक नया अध्याय शुरु करेंगे। रोड्रिग्ज ने इस ब्राजीलियाई क्लब के साथ दो साल का एक करार किया था। रोड्रिग्ज ने कहा, साओ पाउलो एक बड़ा क्लब है, इसलिए मेरे लिए यहां आने का फैसला लेना कठिन नहीं रहा। साओ पाउलो द्वारा करार की पेशकश करने के बाद मुझे अपना मन बनाने में कुछ समय ही लगा। ये क्लब खिताब जीतने का दावेदार रहता है और में इसमें भूमिका निभाने के लिए तैयार हूं। रोड्रिग्ज अप्रैल में ग्रीस के ओलंपियाकोस से अलग होने के बाद मुफ्त ट्रांसफर पर यहां पहुंचे हैं। साल 2006 में कोलंबिया के एनविगाडो के साथ अपना पेशेवर करियर शुरू करने के बाद से ही यह उनका 10वां क्लब होगा। इस खिलाड़ी ने कहा , मैं अभी शारीरिक रूप से ठीक महसूस कर रहा हूं पर मुझे ट्रेनिंग करने की जरूरत है। लय में आने और खेलने की स्थिति में आने में कुछ दिन लगते हैं। अभी भी रास्ता तय करना है, भले ही मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं।

ओलंपिक कोटा हासिल करने के बाद निशानेबाजों को टीम से हटाना निराशाजनक: ढिल्लों

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता टी एस ढिल्लों का मानना है कि ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले निशानेबाजों को अगले टूर्नामेंट से बाहर रखने की भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की नीति से निशानेबाजों का मनोबल गिरता है क्योंकि प्रतिस्पर्धा के अभाव में वे बड़े टूर्नामेंटों का दबाव नहीं झेल पाते। देश के लिए अधिकतम ओलंपिक कोटा हासिल करने की कवायद में एनआरएआई ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके निशानेबाजों को या तो बाहर कर देता है या उन्हें न्यूनतम क्वालीफिकेशन स्कोर्स (एमक्यूएस) में डाल देता है जिससे वे पदक की दौड़ से बाहर हो जाते हैं।

काहिरा में विश्व चैम्पियनशिप 2022 में स्वर्ण पदक जीतकर 10 मीटर एयर राइफल में कोटा हासिल करने वाले रूद्रांक्ष पाटिल को अजरबैजान के बाकू में अपने खिताब की रक्षा करने का मौका नहीं दिया गया। रूद्रांक्ष, राजेश्वरी कुमारी (ट्रैप) और सिफत कौर सामरा (50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन) एशियाई चैम्पियनशिप में उतरेंगे जो 2024 पेरिस ओलंपिक का क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट है। ये सिर्फ आरपीओ (रैंकिंग प्वाइंट ओन्ली) वर्ग में भाग लेंगे ताकि दूसरे निशानेबाज कोटा हासिल कर सकें।

करीब 17 साल तक एनआरएआई के राष्ट्रीय चयनकर्ता रहे ढिल्लों ने कहा, 'यह रूद्रांक्ष के लिये निराशाजनक है। ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके किसी भी निशानेबाज के लिए यह निराशाजनक है। आपको दूसरों को मौका देना चाहिये लेकिन इनसे भी मौका लेना नहीं चाहिए।' भारत ने तोक्यो ओलंपिक 2020 से पहले निशानेबाजी में रिकॉर्ड 15 कोटा स्थान हासिल किए थे लेकिन पदक नहीं जीत सके।

पूर्व निशानेबाज ढिल्लों ने कहा, 'रूद्रांक्ष जैसे निशानेबाजों को बाहर नहीं किया जाना चाहिए। निशानेबाजी काफी प्रतिस्पर्धी खेल है और लय बनाए रखना जरूरी है। अगर आप 20 किलोमीटर या 10 किलोमीटर दौड़ रहे हैं तो लय छूटने पर फिर पाना मुश्किल होता है।' हर देश को निशानेबाजी में हर वर्ग में अधिकतम दो कोटे मिल सकते हैं। दस मीटर

एयर राइफल में रूद्रांक्ष ने एक हासिल कर लिया और अब नजरें दिव्यांश पंवार, अर्जुन बाबुटा और हृदय हजारिका पर लगी हैं जो 27 अक्टूबर से दो नवंबर तक चांगवोन में एशियाई चैम्पियनशिप खेलेंगे।

ढिल्लों ने कहा, 'मुझे लगता है कि एनआरएआई का फोकस ज्यादा से ज्यादा कोटा लेने पर है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिये कि लक्ष्य पदक जीतना है। हम ओलंपिक में कैसे अधिकतम पदक जीत सकते हैं। निशानेबाजी जैसे खेल में मानसिक तैयारी भी बहुत अहम है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लाइलाज नहीं ब्रेन ट्यूमर

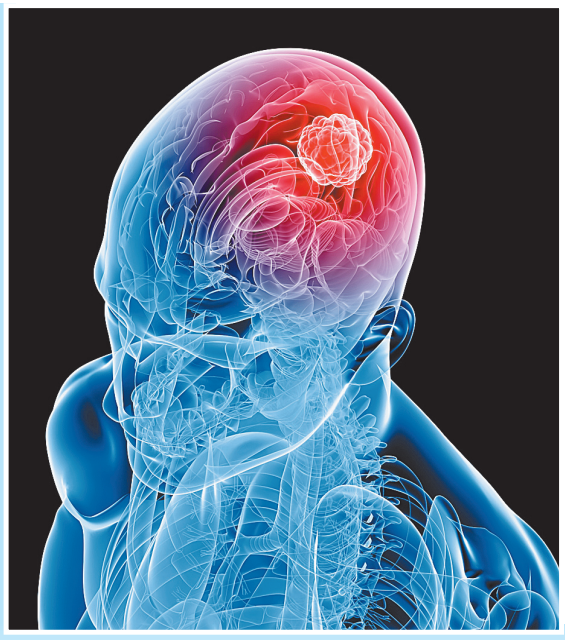

ब्रेन ट्यूमर दिमाग में होनेवाली गांठ है, जो कैंसरस भी हो सकती है और नॉन कैंसरस भी. आज चिकित्सा के क्षेत्र में हुई तकनीकी विकास के कारण विभिन्न जांचों की सहायता से इसकी सही स्थिति का अनुमान सहज लगाना संभव है, साथ ही सजर्री की आधुनिक विधियों से इसका पूरा उपचार भी संभव है.

माइग्रेन भी है लक्षण

माइग्रेन भी ब्रेन ट्यूमर के प्रारंभिक लक्षणों में से एक हो सकता है. हालांकि यह पुरुषों से अधिक महिलाओं में होता है. माइग्रेन अटैक यदि महीने में चार या पांच बार आता है और अटैक के पैटर्न में कोई बदलाव नजर आता है, तो यह ब्रेन ट्यूमर का संकेत हो सकता है. अत- तुरंत डॉक्टर की सलाह पर सीटी स्कैन व एमआरआइ आदि जांच कराएं ताकि सही कारणों का पता लग सके और समय रहते इलाज शुरू हो सके.

जेनेटिक भी संभव

यदि परिवार में किसी को पहले से ब्रेन ट्यूमर है, तो परिवार के अन्य सदस्यों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है. गर्भावस्था में भी कुछ टेस्टों की मदद से यह पता लगाया जा सकता है कि गर्भ में पल रहे बच्चे को कौन-सी बीमारी है. गर्भ में ही इन बीमारियों का इलाज भी संभव है. अत- आप पहले से ही सावधानी बरतें.

सजर्री की प्रक्रिया व लाभ

यह सर्जरी अत्यंत सुरक्षित और कारगर है. इस सर्जरी में अन्य सर्जरी के मुकाबले मस्तिष्क में छोटा छिद्र किया जाता है, जिससे इंडोस्कोप को मस्तिष्क के अंदर भेजा जा सके. इस सर्जरी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इस तकनीक का इस्तेमाल करके दिमाग के रिट्रैक्शन से बचा जा सकता है, क्योंकि अन्य तकनीक के मुकाबले इस प्रक्रिया में कम रिट्रैक्शन होता है.

इस सर्जरी में टिशू भी आसानी से दिखाई देते हैं, जिससे इलाज करने में काफी आसानी होती है. इस सर्जरी में 6 एमएम का एक अति महीन छिद्र किया जाता है. मस्तिष्क के अंदर पाये जानेवाले कोलॉयड सिस्ट ही ट्यूमर को जन्म देते हैं. ये दिमाग के संवेदनशील क्षेत्र में स्थित होते हैं और इनके आकार में वृद्धि होने पर ये खतरनाक होते जाते हैं. इंडोस्कोप को छिद्र के माध्यम से मस्तिष्क में पहुंचा कर कोलॉयड सिस्ट को पूरी तरह से हटाया जाता है. सर्जरी की प्रक्रिया बेहद छोटी और कष्टरहित होती है.

बरतें सावधानी

इस रोग में अपने खान-पान का ध्यान रखना भी जरूरी है. वजन को नियंत्रित रखें. इसके अलावा अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है. इसके कारण शरीर के अन्य हिस्सों पर भी प्रभाव पड़ता है. इसके दौरान दिमाग पर सूजन होना भी आम बात है. अत ट्रीटमेंट के दौरान भी सावधानी बरतें.

इंडोस्कोपिक सर्जरी है कारगर

अब ब्रेन ट्यूमर जानलेवा बीमारी नहीं रह गयी है, क्योंकि वर्तमान में ब्रेन ट्यूमर का संपूर्ण इलाज संभव है बशर्ते समय पर उपचार शुरू किया जाये. चिकित्सक बताते हैं कि ब्रेन ट्यूमर के इलाज के लिए कई तकनीकें ईजाद हो चुकी हैं, जिनमें रेडियो सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, रोबोटिक सर्जरी प्रमुख हैं. इन तकनीकों से ब्रेन ट्यूमर का इलाज काफी सुरक्षित और कारगर माना गया है.

ब्रेन ट्यूमर के इलाज के लिए वर्तमान में सबसे ज्यादा प्रचलित इंडोस्कोपिक सर्जरी है. यह सर्जरी कष्टरहित तो है ही, साथ ही इसके परिणाम भी अन्य सर्जरी से काफी बेहतर आते हैं.

सीटी स्कैन के प्रभाव

ब्रेन कैंसर कितना बढ़ गया है या उसकी क्या स्थिति है, यह जानने के लिए सीटी स्कैन, एमआरआइ, एक्स-रे और एंजियोग्राम की मदद ली जाती है. ट्यूमर की शंका होने पर सबसे पहले सीटी स्कैन की जाती है. सीटी स्कैन के नाम पर लोगों के जेहन में यह बात उठने लगती है कि सीटी स्कैन तो शरीर पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालता है. इससे निकलनेवाली घातक किरणों से कैंसर होने तक का खतरा हो सकता है. हाल ही में हुए शोधों में भी यह साबित हो चुका है. इसके प्रभाव को जानने के लिए यह जानना जरूरी है कि इसके लिए किस प्रक्रिया को अपनाया जाता है. सीटी स्कैन एक कंप्यूटराइज एक्सीयल टोमोग्राफी स्कैन है, जो एक्स-रे की सीरीज है, जिसके जरिये ब्रेन के हिस्सों को देखा जा सकता है. इतना ही नहीं, ब्रेन के ढांचे को अच्छी तरह से जांचने के लिए 3डी तसवीरों के रूप में देखा जा सकता है. हालांकि ब्रेन कैंसर के दौरान सीटी स्कैन करने के नुकसान बहुत कम हैं, फिर भी इसके कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, जैसे - शरीर का तापमान बढ़ जाना, शरीर के विभिन्न हिस्सों में खुजली होना, लाल रैशेज पड़ना आदि. ये सभी साइड इफेक्ट अचानक से दिखाई देने लगते हैं. सीटी स्कैन के दौरान निकलनेवाली तरंगें बहुत हल्की होती हैं, फिर भी गर्भवती महिलाओं का सीटी स्कैन नहीं किया जाना चाहिए.

सर्जरी से उपचार संभव

ब्रेन ट्यूमर का स्थायी इलाज सिर्फ ऑपरेशन है. वर्तमान में ऑपरेशन के दौरान जान जाने का खतरा एक फीसदी से भी कम माना जाता है. चिकित्सा जगत में होते परिवर्तन और नयी टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के कारण ब्रेन ट्यूमर का इलाज अब काफी हद तक संभव हो गया है, साथ ही इसकी सफलता दर भी बढ़ गयी है. अगर रोगी को ट्यूमर कैंसरस नहीं है, तो ऑपरेशन द्वारा उसे निकाला जा सकता है. इसके बाद विशेषज्ञों की देख-रेख में रोगी ठीक होकर सामान्य जीवन जी सकता है.

बांझपन

सिर्फ महिला नहीं जिम्मेवार

वर्तमान में डायबिटीज, हाइ बीपी और हृदय रोगों में इजाफा हुआ है. ये रोग अक्सर बांझपन का मुख्य कारण बनते हैं. इनसे निःसंतान दंपतियों की संख्या भी काफी बढ़ी है. 1981 से 2001 तक बांझपन में 50 फीसदी की वृद्धि हुई है. इसके अलावा आज की व्यस्त जीवनशैली के कारण भी गर्भधारण में समस्याएं आ रही हैं. आजकल लगभग 10-15 फीसदी शादीशुदा जोड़े बच?चा जन्म देने में कठिनाई का अनुभव करते हैं. यदि एक साल के अंतराल में स्वस्थ दंपति को गर्भाधान में कठिनाई होती है या महिला गर्भवती नहीं होती है, तो उन्हें फौरन इलाज की आवश्यकता है.

भ्रांतियों से बचें - आम तौर पर भारतीय समाज में एक भ्रांति है कि बांझपन के लिए सिर्फ महिला ही जिम्मेवार होती है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता है. सिर्फ 30 फीसदी जोड़ों में महिला, 30 फीसदी में पुरुष, 10 फीसदी में दोनों बांझपन के लिए जिम्मेवार होते हैं. 20 फीसदी में यह अन्य कारणों से हो सकता है.

कई बीमारियां हैं कारण - महिलाओं में बांझपन के प्रमुख कारण हैं- फेलोपियन ट्यूब का ब्लॉक होना, गर्भाशय का टीबी, फायब्रॉइड, एंडोमेट्रीयोसिस आदि का होना. इंडोक्राइन बीमारियां जैसे- थायरॉयड की बीमारी, पीसीओडी, मधुमेह आदि भी आजकल काफी महिलाओं में बांझपन का कारण हैं. कभी-कभी महिला के मस्तिष्क में ट्यूमर होने से भी प्रोलैक्टिन हार्मोन की शरीर में अधिकता हो जाती है, जिससे मासिक धर्म ही आना बंद हो जाता है और वे बांझपन की शिकार हो जाती हैं. बढ़ता प्रदूषण, तनाव, हार्मोनल असंतुलन आदि से पुरुष बांझपन भी बढ़ा है. पुरुषों में शुक्राणुओं की कमी अब सामान्य रोग होता जा रहा है. शराब या तंबाकू का सेवन, मधुमेह, थायरॉयड तथा मानसिक तनाव से भी पुरुष संतान पैदा नहीं कर पा रहे हैं.

कई तरीकों से होता है उपचार - इस समस्या के बढ़ने के कारण ही बांझपन निवारण केंद्रों की संख्या में भी काफी इजाफा हुआ है. महिलाओं में आवश्यकतानुसार लेप्रोस्कोपी, हिस्टेरोस्कोपी आदि से फेलोपियन ट्यूब, ओवरी तथा गर्भाशय की बीमारियों को ठीक किया जाता है. इसी प्रकार से शुक्राणुओं से संबंधित समस्याओं को हार्मोन का असंतुलन सुधारने तथा अन्य दवाइयों के सेवन से ठीक किया जाता है. अब निःसंतान दंपतियों के लिए अनेक इलाज उपलब्ध हैं, जैसे- ओव्यूलेशन इंडक्शन तथा आइयूआइ. एजूस्पीमिया से ग्रसित पुरुषों में डोनर शुक्राणु से आइयूआइ किया जा सकता है. अज्ञात कारणों में आइवीएफ -इटी से इलाज संभव है. जिन महिलाओं में अंडे की कमी है, उनमें डोनर उसाइट से गर्भाधान संभव है.

स्लिप डिस्क में करें भुजंगासन

दफ्तर में घंटों कंप्यूटर पर काम करनेवाले कई लोग आज स्लिप डिस्क की समस्या से जूझ रहे हैं. इसमें उन्हें भीषण पीठ दर्द उठता है, जो कई बार बरदाश्त से बाहर हो जाता है. इस तकलीफ में योग विशेषज्ञ भुजंगासन करने की सलाह देते हैं, जो काफी आराम पहुंचाता है.

स्पाइनल कॉर्ड या रीढ़ की हड्डी पर शरीर का पूरा वजन टिका होता है. स्पाइनल कॉर्ड की हड्डियों के बीच कुशन जैसी मुलायम चीज होती हैं, जिसे डिस्क कहा जाता है. ये डिस्क एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं और वर्टिब्रा के बिल्कुल बीच में स्थित होती हैं. डिस्क स्पाइन के लिए शॉक एब्जॉर्बर का काम करती हैं.

वास्तव में डिस्क स्लिप नहीं होती, बल्कि स्पाइनल कॉर्ड से कुछ बाहर आ जाती है. इससे स्पाइनल कॉर्ड पर दबाव बनाता है.

इस परेशानी के कई कारण हो सकते हैं -

गलत पोश्चर इसका आम कारण है. लेट कर या झुक कर पढ़ना या लगातार काम करना, कंप्यूटर पर काफी देर तक बैठे रहना.

अनियमित दिनचर्या, अचानक झुकने, वजन उठाने, झटका लगने, गलत तरीके से उठने-बैठने की वजह से दर्द हो सकता है.

सुस्त जीवनशैली, व्यायाम न करना या पैदल न चलने से भी मशल्स कमजोर हो जाते हैं. अत्यधिक थकान से भी स्पाइन पर जोर पड़ता है और एक सीमा के बाद समस्या शुरू हो जाती है.

अत्यधिक शारीरिक श्रम, गिरने, फिसलने, चोट लगने, देर तक ड्राइविंग करने से भी डिस्क पर प्रभाव पड़ता है.

उम्र बढ़ने के साथ-साथ हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और इससे डिस्क पर जोर पड़ने लगता है.

इन उपायों से करें बचाव

नियमित तीन-छह किलोमीटर प्रतिदिन पैदल चलें. यह सर्वोत्तम व्यायाम है.

देर तक कुर्सी पर झुक कर न बैठें. अगर डेस्क जॉब करते हैं तो ध्यान रखें कि कुर्सी आरामदेह हो और इसमें कमर को पूरा सपोर्ट मिले. शारीरिक श्रम मांसपेशियों को मजबूत बनाता है. लेकिन इतना भी परिश्रम न करें कि शरीर को आघात पहुंचे.

देर तक न तो एक ही पोश्चर में खड़े रहें और न एक स्थिति में बैठे रहें.

किसी भी सामान को उठाने या रखने में जल्दबाजी न करें. पानी भरी बालटी उठाने, अलमारी-मेज खिसकाने, भारी सूटकेस उठाते समय सावधानी बरतें.

हाइ हील्स और फ्लैट चप्पलों से बचें. इनसे कमर पर दबाव पड़ता है.

क्या हैं सामान्य लक्षण

नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द, एड़ी या पैर की उंगलियों का सुन्न हो जाना

पैर के अंगूठों या पंजे में कमजोरी

स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पड़ने से कई बार हिप या थाइज के आस-पास सुन्न महसूस करना

रीढ़ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द

चलने-फिरने, झुकने में भी दर्द का अनुभव होना. कभी झुकने या खांसने या अचानक खड़े होने पर ऐसा लगे कि शरीर में करंट प्रवेश कर गया हो. झनझनाहट महसूस हो रहा हो.

नाड़ियों को बल प्रदान करता है यह आसन

जिन लोगों को साइटिका या स्लिप डिस्क की तकलीफ है, वे भी इस आसन से लाभ उठा सकते हैं, लेकिन सावधानी के साथ. संस्कृत में भुजंग का अर्थ है सांप और यह आसन ऐसा है, जैसे सांप ने फन उठाया हो.

आसन की विधि - पेट के बल लेट जाएं और हाथों को जमीन पर कंधों के नीचे रखें. अब श्वास लेते हुए नाभि को जमीन पर ही रखते हुए छाती और सिर को ऊपर उठाएं और पीठ को कमान की तरह मोड़ें. पूरे शरीर को उतना खींचे जितना संभव हो. फिर धीरे-धीरे श्वास अंदर लें और छोड़ते हुए सिर को नीचे लाएं.

लाभ - पीठ की, उदर की और शरीर के ऊपरी भाग की मांसपेशियां मजबूत होती हैं. यह आसन रीढ़-तंत्रिका में हुए विस्थापन को ठीक करता है और सिम्पैथेटिक नाड़ियों को बल प्रदान करता है. किसी भी कारण से पीठ दर्द में इस आसन से काफी लाभ होता है.

सावधानी - अगर आप पेप्टिक अल्सर, हर्निया या हाइपरथायरॉयड से पीड़ित हों, तो यह आसन न करें. ध्यान रखें कि जब शरीर को पीछे की तरफ मोड़ते हैं, तो जोर का झटका न लगे, क्योंकि इससे मांसपेशियों को सख्त चोट आ सकती है.

मन की खुशी लेकर आती है फिटनेस

मॉडल, एक्ट्रेस, टीवी प्रेजेंटर मंदिरा बेदी सीरियल शांति से बड़ी पहचान बन कर उभरीं. अपने ग्लैमरस फिगर व आकर्षक अंदाज से दर्शकों के दिल पर छायीं. मां बनने के बाद भी वे खुद को उतना ही मेंटेन रखती हैं. डायटिंग पर वे बिलिव नहीं रखतीं. आज भी जिम में खूब पसीना बहाती हैं. वे बता रही हैं फिटनेस उनके लिए क्या मायने रखता है और इसके लिए क्या-क्या करती हैं.

अच्छा फिजिक पाने के लिए 80 प्रतिशत पौष्टिक खान-पान और 20 प्रतिशत एक्सरसाइज की जरूरत होती है. भूखे रह कर फिट नहीं हो सकते हैं. उसके बाद थोड़ा-सा समय एक्सरसाइज को देना जरूरी है. मैंने पाया है कि फिटनेस आपके लिए मन की खुशी लेकर आता है. यही वजह है कि मां बनने के बाद मैं अपनी फिटनेस को लेकर ज्यादा एलर्ट हूं. मैंने छह महीने में 22 किलो वजन कम किया है.

पावर योग है पसंद - मुझे योग से बेटर जिम लगता है. हां, पावर योग पसंद है, क्योंकि मैं हर वक्त एक्टिव रहनेवाली हूं. मुझे दौड़ना पसंद है. हफ्ते में पांच दिन एक्सरसाइज करती हूं. स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और कार्डियो 20-20 मिनट करती हूं. उसके बाद वेट लिफ्टिंग और अन्य एक्सरसाइज. जो लोग यह बोलते हैं कि उनके पास एक्सरसाइज के लिए वक्त नहीं है, मुझे उनसे चिढ़ है. क्या आप 24 घंटे में से 45 मिनट नहीं निकाल सकते?

तंबाकू को कहें ना

तंबाकू चबाने से मुंह में छाले पड़ जाते हैं, अंदरूनी चमड़ा कठोर हो जाता है, जो भविष्य में गांठ को जन्म देता है. इससे मुंह खोलने में परेशानी होने लगती है. ऐसी स्थिति को 'ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस' कहते हैं. आगे चल कर यही मुंह के कैंसर में बदल जाता है. यह शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल जाता है. यदि शुरुआत में ही इसका उपचार हो, तो इस पर काबू पाया जा सकता है.

दिमाग को जकड़ लेता है निकोटिन

तंबाकू में 4000 केमिकल पाये जाते हैं. इनमें 28 कैंसर का कारण बनते हैं. इनमें सबसे खतरनाक तत्व होता है निकोटिन. वैसे तो कई पौधों में भी यह पाया जाता है, लेकिन तंबाकू में इसकी मात्र काफी अधिक होती है. तंबाकू की सूखी पत्तियों में यह लगभग 0.6 से 38 तक पाया जाता है. निकोटिन की मात्र शरीर में ज्यादा पंहुच जाने के कारण व्यक्ति का बीपी सामान्य से अधिक हो जाता है. यदि व्यक्ति तंबाकू का सेवन नहीं करता है, तो उसे थकान महसूस होने लगती है. तंबाकू का सेवन करते ही शरीर फिर से एक्टिव हो जाता है.

शरीर में निकोटिन की बढ़ती मात्र से दिमाग का संतुलन भी बिगड़ जाता है और वह निकोटिन के सेवन करने पर ही एक्टिव रहता है. इसके लंबे समय तक सेवन से ब्लड वेसेल्स सिकुड़ जाते हैं और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बन जाता है. निकोटिन का अत्यधिक सेवन लिवर के लिए भी काफी खतरनाक है. इससे लिवर सिरोसिस जैसी घातक बिमारी होने का खतरा बढ़ जाता है. यह कैंसर के बाद दूसरी सबसे खतरनाक बीमारी मानी जाती है, जिसका इलाज केवल लिवर ट्रांसप्लांट है. निकोटिन के सेवन से लिवर की कोशिकाओं में ब्लड सरकुलेशन कम होने लगता है, जिससे लिवर के टिशूज खराब हो जाते हैं.

गला व फेफड़े तक फैल जाता है कैंसर

मुंह के कैंसर की कोशिकाएं मिल कर एक ग्रुप बनाती हैं और ट्यूमर का रूप ले लेती हैं. उसके बाद वे वहां से पूरे शरीर में फैलने लगती हैं. इस प्रोसेस को मेटास्टेसिस कहते हैं. इस तरह यह फैल कर गला और फेफड़े में भी कैंसर उत्पन्न कर देती हैं.

काफी नहीं सिक्स पैक एब्स बनाना

फिल्म सिंघम में अजय देवगन का जबरदस्त लुक चर्चा में रहा. उन्होंने 'दबंग' सलमान को भी पीछे छोड़ दिया. यहां तक कि सलमान ने भी उनके फर्स्ट लुक पर टिवट्र पर लिखा- 'बाप रे बाप..अजय की बॉडी सुपर्ब है'. एक बार फिर से अजय जिम में पसीना बहा रहे हैं अगली फिल्म सिंघम रिटर्न के लिए. फिटनेस को लेकर उनकी राय है कि सिर्फ सिक्स पैक एब्स बना लेने से कोई फिट नहीं हो जाता. और क्या-क्या जरूरी है, बता रहे हैं अजय.

फिटनेस को लेकर हमेशा से मैं कॉन्शस रहा हूं. 'सिंघम' के लिए मैंने तीन महीने जम कर एक्सरसाइज की थी. ट्रेनर प्रशांत सावंत की हर बात को फॉलो किया. रोज सवा घंटा कार्डियो एक्सरसाइज बिना ब्रेक करता हूं, जिसमें एक घंटा वेट ट्रेनिंग रहता है. ट्रेनिंग के दौरान हमने महसूस किया कि हर किसी के लिए सिक्स पैक एब्स बनाना आसान है, लेकिन उसके मुताबिक पूरे शरीर (बांह, छाती और कंधे) को एक परफेक्ट टोन्ड शेप देना बेहद मुश्किल होता है. इसमें बैलेंस डायट की 90 फीसदी भूमिका होती है.

डायट रूटीन - खाने-पीने के मामले में भी बेहद अनुशासित हूं. ज्यादा-से-ज्यादा पौष्टिक चीजें ही लेता हूं और एक सप्ताह के अंतराल पर इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव करता रहता हूं.

काबरेहाइड्रेट को अपने खान-पान से दूर ही रखता हूं. प्रोटीन ज्यादा-से-ज्यादा मिले, इसके लिए अंडा और चिकन खाता हूं. लंच में रोटी और पत्तेदार हरी सब्जियां शामिल करता हूं. रात में सूप के साथ ग्रिल्ड चिकन पसंद है. इसके साथ ही मैं प्रोटीन शेक और खूब पानी पीता हूं. मेरी एक ही कमजोरी है कोला और फ्रेंच फाइज, जिस पर कंट्रोल नहीं रख पाता. इन्हें कम करने के लिए 15 दिन पर ही लेता हूं.

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

25 हमास आंतकियों को ढेर करने वाली इजरायली महिला सुर्खियों में

तेलअवीव। इजरायल-हमास के जारी लड़ाई लगातार बढ़ती जा रही है। युद्ध में इजरायली महिलाएं भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है। इन्हीं में से एक इजरायली महिला की इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। लोग महिला को हीरो बता रहे हैं। बताया जा रहा है कि महिला ने अपने गांव के लोगों को बचाने के लिए 25 आतंकवादियों को ढेर कर दिया। महिला का नाम इनबल लिबरमैन है। हमास के लड़ाकों ने जब गाजा पट्टी से केवल एक मील की दूरी पर आगे बढ़ने का प्रयास किया, तब इनबल ने सैनिक बनकर अपने गांव को बचाया। यहां निर अम समुदाय के लोग रहते हैं। निर अम उन कुछ समुदायों में से एक है, जो हमास को पीछे हटाने में कामयाब रहा है। हमास के हमले के समय 25 वर्षीय इनबल धमाकों की आवाज सुनकर चौकन्ना हो गई। फिर उसने गांव के कई ऐसी जगहों को चुना जहां से उसकी टीम सुरक्षित रहकर अपनी बंदूक से निशाना लगाए बैठी थी। हमास के किसी भी लड़ाके के गांव के पास आने पर वह शूट कर दे रहे थे। बताया जाता है कि लिबरमैन ने अकेले हमास के 5 हमलावरों को मार गिराया, जबकि अन्य सैनिकों ने केवल चार घंटे की अवधि में कम से कम 20 लड़ाकों को मार डाला। इनबल ने कहा 'मुझे अच्छा लगा कि मेरे पति मेरा साथ दे रहे थे, अधिक हताहतों को रोकने के लिए वह हमारे साथ थे। गौरतलब है कि कि इजरायल और चरमपंथी संगठन हमास के बीच युद्ध जारी है, जिसमें अभी तक 4000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इजरायल का दावा है कि उसने हमास के लड़ाकों से गाजा सीमा क्षेत्रों पर नियंत्रण छीन लिया है। बता दें कि देश के 75 साल के इतिहास में सबसे भीषण हमले में इजरायल में 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। जबकि गाजा में 900 लोग मारे गए हैं।

एक्स पर इजराइल-हमास जंग को लेकर गलत सूचनाएं हो रही प्रसारित

लंदन। यूरोपीय संघ ने कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इजराइल-हमास जंग को लेकर गलत सूचनाएं प्रसारित हो रही हैं। इस संबंध में ईयू के आयुक्त थिएरी ब्रेटन ने टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क को चेतावनी देते हुए कहा है कि इजराइल में हमास के हमलों के बाद उनके एक्स प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अवैध कंटेंट और गलत सूचना फैलाने के लिए किया जा रहा है। मस्क को संबोधित एक पत्र में, ब्रेटन ने कहा कि हमास द्वारा इजराइल के खिलाफ किए गए आतंकवादी हमलों के बाद, उन्हें संकेत मिले हैं कि आपके प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल यूरोपीय संघ में अवैध कंटेंट और गलत सूचना प्रसारित करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईयू डिजिटल सर्विस एक्ट (डीएसए) कंटेंट मॉडरेशन के संबंध में सटीक दायित्व निर्धारित करता है। ब्रेटन ने लिखा, आपको इस बारे में बहुत पारदर्शी और स्पष्ट होना होगा कि आपकी शर्तों के तहत किस तरह के कंटेंट की अनुमति है और अपनी नीतियों को लगातार लागू करना होगा। यह विशेष रूप से तब प्रासंगिक होता है जब आपके प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली हिंसक और आतंकवादी कंटेंट सामग्री की बात आती है। यूरोपीय संघ के आयुक्त ने मस्क से अगले 24 घंटों में उनके अनुरोध पर त्वरित, सटीक और पूर्ण प्रतिक्रिया भेजने के लिए कहा है। ब्रेटन ने जोर दिया कि सार्वजनिक सुरक्षा और नागरिक विमर्श के जोखिमों से निपटने के लिए आपको सही उपाय करने की आवश्यकता है। सार्वजनिक मीडिया और नागरिक समाज संगठन यूरोपीय संघ में आपके प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली नकली इमेज और तथ्यों के मामलों की व्यापक रूप से रिपोर्ट करते हैं। मस्क द्वारा संचालित एक्स ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने हमास से जुड़े अकाउंट्स को हटा दिया है और चल रही इजराइल-हमास हिंसा के बीच ग्राफिक मीडिया, वायलेंट स्पीच और हेटफुल कंडक्ट के हजारों पोस्ट भी डिलीट कर दिए हैं।

कैलिफोर्निया ने बनाया निजिता कानून

- इंटरनेट से हमेशा के लिए हटाया जा सकेगा डाटा

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया राज्य के नागरिक इंटरनेट से अपनी सभी निजी जानकारी हटवा सकेंगे। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने मंगलवार को नए कानून पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। नवीन कानून में इंटरनेट में पड़ा हुआ डाटा हटाने के लिए मौजूदा कठिन प्रक्रिया के स्थान पर, एक ही आवेदन करने से, कैलिफोर्निया के नागरिकों को उनकी गोपनीयता पर अधिक से अधिक नियंत्रण मिल जाएगा। कैलिफोर्निया की विधानसभा में डिलीट एक्ट, (एसबी 362) 2023 को कैलिफोर्निया के सीनेटर जोश ब्रेकर द्वारा पेश किया गया था। इस प्रस्ताव में कहा गया था, कि प्रत्येक नागरिक के हजारों प्रकार के डाटा इंटरनेट पर मौजूद हैं। कंपनियां नागरिकों के डाटा को बेच देती हैं। जिससे नागरिकों की निजता प्रभावित होती है। इस बिल को विधानसभा द्वारा पास कर देने के बाद कानून बन जाने से अब कैलिफोर्निया के नागरिक अपना निजी डाटा इंटरनेट से हटाने का अनुरोध कर सकते हैं। इंटरनेट पर डाटा ब्रोकर ने यह डाटा किसी भी तरीके से हासिल किया हो। उसे डिलीट करने का अनुरोध दर्ज करने पर डाटा को तुरंत डिलीट करना होगा। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकेगा। इंटरनेट पर जिस तरह से डाटा का दुरुपयोग हो रहा है। उसको देखते हुए अमेरिका के कैलिफोर्निया का यह कानून सारी दुनिया के देशों के लिए मार्गदर्शन का काम भी करेगा।

निर्दोष लोगों की मौत के गम में डूबी मॉडल गिगी हदीद, हमास के खिलाफ डाली पोस्ट

लॉस एंजेलिस। सुपरमॉडल गिगी हदीद हमास निर्दोष लोगों पर हमला करने को लेकर बेहद गमजदा हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर हमलों की निंदा की है। हालांकि मॉडल गिगी हदीद फिलिस्तीनी मूल की हैं। उन्होंने हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमलों की निंदा की और इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस मामले पर टिप्पणी करते हुए जोर दिया कि वह निर्दोष लोगों का पक्ष लेंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, अपने बयान में गिगी ने कहा कि कि उनके विचार और संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जो बेवजह इस हमले का शिकार बने हैं। उन्होंने आगे कहा कि फिलिस्तीनी संघर्ष और कब्जे के तहत जीवन के प्रति मेरे मन में गहरी सहानुभूति और शोक है, यह एक जिम्मेदारी है जिसे मैं रोजाना निभाती हूं। मैं अपने यहूदी दोस्तों के प्रति भी इसे स्पष्ट करने की जिम्मेदारी महसूस करती हूं, जैसा कि मैंने पहले भी किया है, हालांकि फिलिस्तीनियों के लिए मेरी आशाएं और सपने हैं, लेकिन उनमें से किसी में भी यहूदी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाना शामिल नहीं है। सोशल मीडिया पर 28 वर्षीय मॉडल ने हमास के हमलों की निंदा करते हुए कहा कि निर्दोष लोगों को मारना मुक्त फिलिस्तीन आंदोलन के अनुरूप नहीं है, इससे उन्हें कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस विचार ने आगे-पीछे प्रतिशोध के एक लंबे चक्र को बढ़ावा दिया है और इस गलत विचार को बनाए रखने में मदद की है कि फिलिस्तीन समर्थक होना मतलब यहूदी विरोधी होना है। गिगी ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मेरे प्रियजनों, फिलिस्तीनी और यहूदी दोनों के साथ, मैं आपको अपना प्यार और ताकत भेज रही हूं, चाहे आप कोई भी हों और जहां भी हों। उन्होंने अपना मैसेज समाप्त करते हुए कहा कि बहुत सारी जटिल, व्यक्तिगत और वैध भावनाएं हैं, लेकिन हर इंसान बुनियादी अधिकारों, उपचार और सुरक्षा का हकदार है, चाहे उनकी राष्ट्रीयता, धर्म, जातीयता या वे कहीं भी पैदा हुए हों।

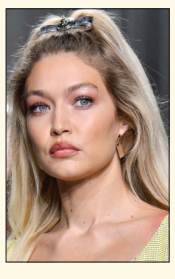

शी चिनफिंग ने च्यांग शी प्रांत के चंगतेचन और शांगराओ शहर का निरीक्षण किया

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने दक्षिण चीन के च्यांग शी प्रांत के चंगतेचन और शांगराओ शहर का निरीक्षण किया। उन्होंने लगातार चंगतेचन के थाओयांगली ऐतिहासिक व सांस्कृतिक सड़क, छांगहे एयरक्राफ्ट उद्योग लिमिटेड कंपनी और शांगराओ के शिमन गांव जाकर मिट्टी के बर्तनों की संस्कृति के संरक्षण व विकास, उद्यम के तकनीकी सृजन, वेटलैंड पार्क के पारिस्थितिकी संरक्षण और ग्रामीण पुनरोत्थान का जायजा लिया।

हमास के रॉकेट हमले में बाल-बाल बचे ब्रिटेन के विदेश मंत्री, सायरन बजते ही भागकर बचाई अपनी जान

गाजा (एजेंसी)। हमास के घातक हमलों के बाद देश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली इज़राइल की यात्रा पर हैं। उन्हें रॉकेट हमलों की सायरन चेतावनी के कारण आश्रय लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। मंत्री ने कहा कि उन्हें इस बात की झलक मिल गई है कि लाखों इजरायली हर दिन किस चीज का सामना करते हैं। एक वीडियो में मिस्टर क्लेवरली को दक्षिण इज़राइल के ओकाफिम में एक इमारत में छिपने के लिए दौड़ते हुए दिखाया गया है और पृष्ठभूमि में सायरन बज रहा है। वीडियो शेयर करते हुए मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज मैंने लाखों लोगों को हर दिन जो अनुभव होता है उसकी एक झलक देखी। हमास के रॉकेटों का खतरा हर इजरायली पुरुष, महिला और बच्चे पर मंडरा रहा है। यही कारण है कि हम कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की

रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटिश विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि श्री क्लेवरलीसुबह इज़राइल पहुंचे। उन्होंने हमलों में बचे लोगों और वरिष्ठ इज़राइली नेताओं से मुलाकात की और देश की रक्षा के अधिकार के लिए ब्रिटेन के समर्थन की रूपरेखा तैयार की। इजरायली नेताओं के साथ बैठक के दौरान यूनाइटेड किंगडम और इजरायल के चल रहे सुरक्षा, सैन्य और राजनयिक सहयोग पर चर्चा की गई। विदेश कार्यालय ने कहा कि मंत्री ने तेल अवीव, यरूशलम और दक्षिणी इज़राइल का दौरा किया। ब्रिटेन ने गाजा के खिलाफ युद्ध में इजराइल के समर्थन में बात की है, जिसमें शनिवार को शुरू होने के बाद से 3,600 लोग मारे गए हैं। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और इटली के साथ जारी एक संयुक्त बयान में ब्रिटेन ने इज़राइल के लिए अपना दृढ़ समर्थन व्यक्त किया था और स्पष्ट रूप से हमास की निंदा की थी। हम स्पष्ट करते हैं कि हमास की आतंकवादी कार्रवाइयों का कोई औचित्य नहीं है, कोई वैधता नहीं है और इसकी सार्वभौमिक रूप से निंदा की जानी चाहिए।

ब्रिटेन की आंतकवाद रोधी पुलिस ने इजराइल में हमलों के फुटेज और तस्वीरों के लिए अपील की

लंदन, 12 अक्टूबर (वेब वार्ता)। ब्रिटेन के आतंकवाद विरोधी दस्ते ने इजराइल में फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास द्वारा किए गए हमलों में कई ब्रिटिश नागरिकों की मौत के बाद हमले से जुड़ी तस्वीरें और फुटेज साझा करने की अपील की है। हमास ने शनिवार को दक्षिणी इजराइल में ताबड़तोड़ हवाई हमले किए थे, जिसके जवाब में इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने हमास के मुख्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए कार्रवाई शुरू की। दोनों पक्षों के बीच दशकों में अब तक हुए हिंसक संघर्षों में हालिया संघर्ष सबसे बड़ा माना जा रहा है, जिसमें दो हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। 'मेट्रोपॉलिटन पुलिस काउंटर टेररिज्म कमांड' ने बुधवार शाम को अपनी अपील में कहा कि विशेषज्ञ अधिकारी, ब्रिटिश नागरिकों के बारे में प्राप्त हो रही सूचना पर कार्रवाई के लिए ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। ब्रिटिश नागरिकों के प्रियजनों को वापस देश लाने में ब्रिटेन पुलिस भी सहायता कर रही है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि उसने जानकारी जुटाना शुरू कर दी है, जो आगे की प्रक्रिया में मदद कर सकती है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के मुताबिक, 'यह अपील उन सभी लोगों के लिए है, जो हाल के दिनों में इजराइल से लौटे हों और उनके पास आतंकी हमलों की तस्वीरें या फिर फुटेज हों।' पुलिस के मुताबिक, 'ब्रिटेन में कुछ ऐसे लोग भी होंगे, जिनके दोस्त, रिश्तेदार या फिर प्रियजन इजराइल में होंगे और उन्होंने सीधे उन्हें संदेश, तस्वीरें या फिर वीडियो भेजे होंगे। हम लोगों से यह कहना चाहेंगे कि ऐसी कोई फुटेज या फिर जानकारी न दें, जो उन्हें किसी अज्ञात सूत्र से मिली हो या फिर मीडिया रिपोर्ट या फिर सोशल मीडिया से प्राप्त हुई हो।'

कुछ बड़ा होने वाला हैं गाजा में, अमेरिकी विदेश मंत्री इजराइल पहुंचे

गाजा। हमास के आतंक के खिलाफ इजरायल का इंतकाम लगातार जारी है। इजरायली मिसाइलों की वर्षा गाजा पट्टी पर थम नहीं रही है। इजरायली फोर्स चुन-चुनकर गाजा में हमास के आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर रही है। युद्ध में अघोषित तौर पर अमेरिका का चुका है। दुनिया का सबसे खतरनाक जंगी जहाज इजरायल की मदद के लिए गाजा पट्टी के करीब पूर्वी भू मध्य सागर में पहुंच चुका है। अमेरिका का एयर स्ट्राइक कैरियर अपने कैरियर ग्रुप के साथ यहां पर पहुंचा है। यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड, नौसेना का सबसे नया और सबसे उन्नत एयरक्राफ्ट कैरियर है। अपने लगभग 5000 नाविकों और युद्धक विमानों के डेक के साथ, यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड को ताकत दिखाने के लिए तैनात किया जा रहा है। इजरायल में हमास द्वारा किए गए आतंकवादी हमले को देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि यह हमला क्रूरता का एक अभियान था और मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं बच्चों के सिर काटने वाले आतंकवादियों की तस्वीरों की पुष्टि करूंगा। बाद में व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने स्पष्ट किया, बिडेन और अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने स्वतंत्र रूप से ऐसी तस्वीरें नहीं देखीं या ऐसी रिपोर्टों की पुष्टि नहीं की। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी मीडिया रिपोर्टों और इजरायली प्रधान मंत्री नेतन्याहू के प्रवक्ता द्वारा किए गए दावों पर आधारित थी। हमास से जंग के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इजरायल पहुंच गए हैं। हमास से जंग के बीच ब्लिंकन का दौर बेहद अहम माना जा रहा है।

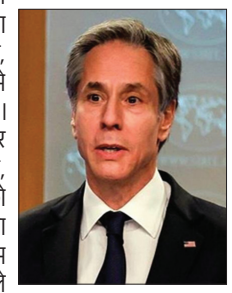

धरती से मिटा देंगे हर निशान, नेतन्याहू ने हमास को नष्ट करने की खाई कसम

यरुशलम (एजेंसी)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को हमास से लड़ते रहने की कसम खाते हुए कहा कि फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह का प्रत्येक सदस्य एक मरा हुआ आदमी था। अपने बयान में नेतन्याहू ने पहली बार शनिवार को हुए अप्रत्याशित हमले के बाद हमास को नष्ट करने के इज़राइल के इरादे को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया। उन्होंने टेलीविजन पर प्रसारित एक संक्षिप्त बयान में कहा कि हमास दाएश (इस्लामिक स्टेट समूह) है और हम उन्हें कुचल देंगे और नष्ट कर देंगे, जैसे दुनिया ने दाएश को नष्ट कर दिया है।

रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि हम हमास को धरती से मिटा देंगे। नेतन्याहू ने पहले अस्थायी रूप से अपने राजनीतिक मतभेदों को सुलझाया और संकट की अवधि के लिए मध्यमार्गी पूर्व रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज़ सहित एक आपातकालीन सरकार की स्थापना की। इजराइल की सेना ने कहा है

कि वह गाजा में संभावित जमीनी अभियान की तैयारी कर रही है लेकिन देश के नेताओं ने इस संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेच ने पत्रकारों को बताया कि बल जमीनी अभियान की तैयारी कर रहे हैं। इज़राइल ने लगभग 360,000 रिजर्व सैनिक बुलाए हैं और सप्ताहांत में हमास की ओर से किए गए घातक हमलों के बदले में भीषण कार्रवाई की चेतावनी दी है।

इजराइल के शीर्ष विपक्षी नेता ने कहा है कि उनकी और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच युद्ध के समय एकता सरकार गठित करने पर सहमति बन गई है। पूर्व रक्षामंत्री बेनी गैंट्ज ने एक विज्ञप्ति जारी की जिसे उन्होंने नेतन्याहू के साथ जारी संयुक्त बयान करार दिया। बयान में कहा गया कि वे पांच सदस्यीय युद्ध प्रबंधन मंत्रिमंडल का गठन करेंगे। इसमें नेतन्याहू, गैंट्ज, मौजूदा रक्षामंत्री योआव गैलेंट और दो सेवारत शीर्ष अधिकारी बतौर पर्यवेक्षक सदस्य शामिल होंगे। बयान में कहा गया कि सरकार जबतक लड़ाई जारी रहेगी तब तक गैर युद्ध संबंधीकोई भी विधेयक पारित नहीं करेगी और न ही इससे जुड़ा फैसला लेगी।

निज्जर विवाद के बीच कनाडा ने भारत में होने वाले पी20 समिट का किया बहिष्कार, नहीं आएंगी सीनेट स्पीकर

लंदन (एजेंसी)। भारत द्वारा नई दिल्ली में आयोजित जी20 कार्यक्रम से पहले कनाडा के सीनेट के स्पीकर समूह 20 के कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव उच्च बना हुआ है। खबर सामने आई है कि कनाडा की सीनेट के अध्यक्ष रेमोंडे गैगने इस शुक्रवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी20) में शामिल नहीं होंगे। कनाडा के कार्यालय के एक प्रवक्ता ने आगामी जी20 कार्यक्रम के लिए उनकी अनुपस्थिति के बारे में सूचित किया, और अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 अक्टूबर को जी20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी20) का उद्घाटन करेंगे। पहले खबर आई थी कि पी20 शिखर सम्मेलन में कनाडा का प्रतिनिधित्व सीनेट के अध्यक्ष रेमोंडे गैग्ने करेंगी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा जून में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों को शामिल करने के बाद कनाडा के साथ भारत के संबंध गंभीर तनाव में आ गए हैं।

तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में 350 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है जिसमें 50 संसद सदस्य, 14 महासचिव, 26 उपाध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संसदीय संघ के अध्यक्ष और पैन-अफ्रीकी संसद के अध्यक्ष की भागीदारी होगी। 9वें पी20 का मुख्य विषय %एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के लिए संसद% प्रस्तावित है। पी20 प्रतिनिधियों को नए संसद भवन के दौरे पर भी ले जाया जाएगा, जिसके बाद एक सांस्कृतिक शाम और स्पीकर द्वारा रात्रिभोज का आयोजन किया जाएगा।

उम्मीद-ए-पाकिस्तान उड़ान से 21 अक्टूबर को देश पहुंच रहे पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 21 अक्टूबर को ब्रिटेन में अपने चार साल के आत्म-निर्वासन को समाप्त करते हुए दुबई से एक चार्टर्ड विमान से पाकिस्तान पहुंचेंगे। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, नवाज को ले जाने वाली उड़ान का नाम ÷उम्मीद-ए-पाकिस्तान÷ होगा, जिसमें लगभग 150 यात्री सवार हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बुकिंग हो चुकी है और सभी व्यवस्थाएं हो चुकी हैं। तीन बार के प्रधान मंत्री 73 वर्षीय को अगले साल जनवरी में होने वाले आम चुनावों में अपनी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी का नेतृत्व करने की उम्मीद है। शरीफ, पार्टी सदस्यों और पत्रकारों के साथ 21 अक्टूबर को दुबई से पाकिस्तान के लिए रवाना होने वाले हैं। विशेष उड़ान लाहौर जाने से पहले दुबई से इस्लामाबाद में उतरेगी, शरीफ मीनार-ए-पाकिस्तान में सभा को संबोधित करेंगे।

शरीफ बुधवार को उमरा के लिए सऊदी अरब पहुंचेंगे। वह एक हफ्ते तक सऊदी अरब में रहेंगे और इस

दौरान अहम बैठकें करेंगे। वह 18 अक्टूबर को दुबई पहुंचेंगे। सऊदी यात्रा पर शरीफ के साथ उनके करीबी सहयोगी मियां नासिर जंजुआ, वकार अहमद, उनके दोस्त करीम यूसुफ और कुछ अन्य लोग होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्ब्ढ़ष्ठछ्वष्ट कंपनी के मालिक नासिर जंजुआ ने शरीफ के साथ लंदन में लगभग तीन साल निर्वासन में बिताए और कुछ महीने पहले ही पाकिस्तान लौटे। इस साल की शुरुआत में, संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के पूर्व प्रमुख बशीर मेमन ने खुलासा किया कि पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान और उनके तत्कालीन प्रधान सचिव आजम खान ने उन्हें बार-बार सभी कानूनी और अवैध तरीकों का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया, जिसमें यातना और विरोधी का उपयोग भी शामिल था।

बंधकों की रिहाई तक गाजा को बिजली, ईंधन, पानी नहीं मिलेगा: इजरायल मंत्री

जेरूसलम (एजेंसी)। इजरायल के ऊर्जा मंत्री इजरायल काट्ज ने गुरुवार को कहा कि जब तक हमास आतंकवादी समूह बंधकों को मुक्त नहीं कर देता, तब तक गाजा पट्टी के लिए बिजली, ईंधन या पानी की आपूर्ति नहीं होगी। मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, 'जब तक इजरायली के अपहृत लोगों की घर वापसी नहीं हो जाती, तब तक कोई बिजली का स्विच चालू नहीं किया जाएगा, कोई जल हाइड्रेंट नहीं खोला जाएगा और कोई भी ईंधन ट्रक (गाजा) में प्रवेश नहीं करेगा।'

मानवतावादी और कोई भी हमें नैतिकता का उपदेश नहीं देगा। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादी समूह ने 7 अक्टूबर को अपने हमले के बाद गाजा में 150 लोगों को बंधक बना लिया है। हमले के जवाब में इजरायली रक्षा मंत्री योव

गैलेंट ने सोमवार को पूरे गाजा की घेराबंदी का आदेश दिया था। साथ ही कहा था कि वह बिजली, भोजन, पानी और ईंधन की आपूर्ति रोक देंगे।

ईंधन की कमी के कारण गाजा पट्टी के एकमात्र बिजली स्टेशन ने बुधवार को काम करना बंद कर दिया था। जिस वजह से अस्पतालों सहित हमास-नियंत्रित एन्क्लेव में हर सुविधा जनरेटर पर निर्भर है, जिसके बदले में ईंधन की ताजा आपूर्ति की आवश्यकता होती है। गुरुवार को, रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति ने चेतावनी दी कि बिजली के न होने के कारण अब अस्पतालों के मुर्दाघर में तब्दील होने का खतरा है। आईसीआरसी के क्षेत्रीय निदेशक फैब्रीजियो कार्बोनी ने कहा, 'इस तनाव के कारण हुई मानवीय पीड़ा घृणित है, और मैं पक्षों से नागरिकों की पीड़ा को कम करने का आग्रह करता हूं।' जैसे ही गाजा की बिजली खत्म होती है, अस्पतालों की बिजली खत्म हो जाती है, जिससे इनक्यूबेटरों में नवजात शिशुओं और ऑक्सीजन पर मौजूद बुजुर्ग मरीज़ों को खतरा हो जाता है। किडनी का डायलिसिस बंद हो जाता है, और एक्स-रे किये जानें बंद हो जाते हैं।'

हमास के हमले को आतंकी हमला मानता है भारत, विदेश मंत्रालय बोला-फ़िलिस्तीन के स्वतंत्र राज्य की स्थापना का करते हैं समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि भारत एक स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य की स्थापना का समर्थन करता है। हमारी नीति दीर्घकालिक और सुसंगत रही है। भारत ने हमेशा फिलिस्तीन के एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य राज्य की स्थापना के लिए सीधी बातचीत फिर से शुरू करने की वकालत की है, जो सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर, इजरायल के साथ शांति से रह सके।

इज़राइल और गाजा में मानवीय स्थिति के बारे में पूछे जाने पर बागची ने कहा कि मानवीय कानून का पालन करना एक सार्वभौमिक दायित्व है। उन्होंने कह कि आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खतरे से लड़ने की भी जिम्मेदारी है। हमें उस मामले की जानकारी है। अरिंदम बागची ने कहा कि हमास के हमले को भारत आतंकी हमला मानता है। इजराइल में हमास के हमले में कथित तौर पर घायल हुई केरल की महिला पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमें मामले की जानकारी है। वह अस्पताल में है और उसकी हालत में सुधार हो रहा है। हमने अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं सुनी है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन के परिसर में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की पट्टिका का अनावरण

न्यूयार्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन के परिसर में यहां 'वसुधैव कुटुम्बकम्' लिखी पट्टिका का अनावरण किया गया, जो भारत के एकता तथा वैश्विक सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

पट्टिका का अनावरण भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे और संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने बुधवार को एक विशेष समारोह में किया। भारत के स्थायी मिशन के परिसर के प्रवेश द्वार में एक दीवार पर पट्टिका में हिंदी में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और अंग्रेजी में 'द वर्ल्ड इज वन फैमिली' लिखा हुआ है।

पट्टिका के अनावरण से पहले संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने आईसीसीआर के साथ मिलकर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया था। भारत ने इस वर्ष जी20 की अध्यक्षता की थी और जी20 की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम्' थी, जो वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सहस्रबुद्धे ने अनावरण के अवसर पर कहा, 'यह भारत की पहचान है, यह दुनिया के बारे में भारत का दृष्टिकोण है।' इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र मिशन में भारतीय अधिकारी, राजनयिकों के साथ आईसीसीआर के महानिदेशक कुमार तुहिन और उप महानिदेशक अभय कुमार ने भाग लिया।

सहस्रबुद्धे ने कहा कि भारत के स्थाई मिशन में पट्टिका को 'उचित तरीके' से दिखाया जाना 'बेहद जरूरी है'। साथ ही उन्होंने कहा कि कि गणमान्य लोगों के समक्ष पट्टिका का अनावरण करना 'सम्मान' की बात है।

कंबोज ने कहा कि भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के दर्शन का प्रचार-प्रसार भी करता है और इसे खुद भी मानता है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'यह पट्टिका संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन के मुख्य प्रवेश द्वार की शोभा बढ़ा रही है जिसमें एकता तथा वैश्विक सहयोग के प्रति हमारी प्रतिबद्धता समाहित है।'

मेडागास्कर के एंटानानारिवो में मार्च 2022 में भारतीय दूतावास ने भारत की आजादी के 75 साल होने पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' को चिह्नित करने के लिए अपने परिसर में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की एक पट्टिका का अनावरण किया था।

खालिस्तानियों की नापाक हरकत - जहां हुई आतंकी निज्जर की हत्या, वहीं लगाए मोदी-जयशंकर वॉन्टेड के पोस्टर

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ खालिस्तानी की साजिश अभी भी जारी है। जानकारी है कि कनाडा के सरी में एक गुरुद्वारे पर पोस्टर लगाया गया है। इस पोस्टर में पीएम मोदी को 'वॉन्टेड' के रूप में दिखाया गया है। इसस पहले कनाडाई पीएम ट्रूडो खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के तार भारत से जोड़ चुके हैं। जानकारी के अनुसार, सरी के गुरुद्वारा नानक देव के बाहर यह होर्डिंग लगाया गया है। इसमें पीएम मोदी, भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा का नाम और तस्वीर भी शामिल है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इन घटनाक्रमों की जानकारी पुलिस को है, लेकिन उनकी तरफ से कोई दखल नहीं दिया जा रहा है। जून में खालिस्तानी आतंकवादी निज्जर की सरी में ही हत्या कर दी गई थी। हालांकि, अब तक कनाडाई पुलिस हमलावरों को लेकर कोई खुलासा नहीं कर सकी है। पीएम जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा की संसद में कहा था कि इस हत्या में भारतीय एजेंट्स का हाथ हो सकता है। इसे लेकर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी और आरोपों से इनकार किया था।

हिमाचल में कोरोना संक्रमण से दो मरीजों की मौत

शिमला । हिमाचल प्रदेश में सर्दी का मौसम शुरू होते ही कोरोना संक्रमण एक फिर डराने लगा है। कोरोना संक्रमण ने 2 और लोगों की जान ले ली है। उक्त दोनों मरीज आईजीएमसी शिमला के कोविड वार्ड में भर्ती थे। मृतकों में एक 69 वर्षीय व्यक्ति मंडी जिला के करसोग का रहने वाला था जबकि 68 वर्षीय व्यक्ति कुल्लू जिला के आनी का रहने वाला था। उक्त दोनों मरीज कुछ दिन पहले भी आईजीएमसी में भर्ती हुए थे तथा उनकी रिपोर्ट एक दिन पहले ही पॉजिटिव आई थी। इसके चलते उन्हें आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया था। यहां दोनों लोगों ने दम तोड़ दिया। आईजीएमसी के वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक ने कोरोना संक्रमण से 2 लोगों की मौत की पुष्टि की है। बता दें कि इससे पहले जुलाई माह में कोरोना संक्रमण से एक महिला की मौत हुई थी जो कि मंडी जिले के बल्ह विधानसभा क्षेत्र के बसहेड़ा की रहने वाली थी। प्रदेश में अब कोरोना संक्रमण से मौतों का आंकड़ा 4222 के करीब पहुंच गया है।

लोकेश ने अमित शाह से की मुलाकात, कहा-'जेल में मेरे पिता नायडू की जान को खतरा'

अमरावती/नई दिल्ली। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के महासचिव नारा लोकेश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शिकायत की है कि जेल में उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की जान को खतरा है। बुधवार रात नई दिल्ली में शाह से मुलाकात करने वाले लोकेश ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी उन्हें निशाना बनाने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से काम कर रहे हैं। टीडीपी नेता ने बैठक के बाद 'एक्स' पर पोस्ट किया कि उन्होंने अमित शाह को आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा राज्य मशीनरी के दुरुपयोग, चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ शासन के प्रतिशोध और जिस भयावह स्थिति में उन्हें जेल में रखा गया है, उससे अवगत कराया। उनकी जान को खतरा है। लोकेश ने केंद्रीय मंत्री से कहा कि एक तरफ नायडू को गिरफ्तार किया गया है, वहीं दूसरी तरफ जांच के नाम पर उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार उनकी मां भुवनेश्वरी और पत्नी ब्रह्माणी के लिए भी समस्याएं पैदा करने की कोशिश कर रही है। अमित शाह ने कथित तौर पर चंद्रबाबू नायडू के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली, जो कौशल विकास निगम मामले में पिछले महीने गिरफ्तारी के बाद से राजमुंदरी सेंट्रल जेल में बंद हैं। लोकेश ने गृह मंत्री को अपने और अपने पिता के खिलाफ दर्ज मामलों के बारे में जानकारी दी। अमरावती इनर रिंग रोड मामले में टीडीपी महासचिव से अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने दो दिनों तक पूछताछ की। सीआईडी ने अमरावती इनर रिंग रोड और एपी फाइबरनेट मामलों में नायडू के खिलाफ प्रिजनर ट्रांजिट (पीटी) वारंट भी जारी किया है। टीडीपी सुप्रीमो को अंगल्लू हिंसा मामले में गिरफ्तारी का भी सामना करना पड़ रहा है।

बंगाल में ईसीएल की खुली खदान धंसने से सात लोगों के मारे जाने की आशंका

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पश्चिम वर्धमान जिले के रानीगंज में ईस्टर्न कोल्ड फील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) की खुली खदान धंसने से कम से कम सात लोगों के मारे जाने की आशंका है। स्थानीय पुलिस ने हालांकि घटना में तीन लोगों के मरने की पुष्टि की है। यह घटना उस समय हुई, जब स्थानीय लोग बुधवार शाम खदान से कोयला चोरी कर रहे थे। फिलहाल अभी इस तथ्य की पुष्टि नहीं हुई है कि खदान को कंपनी ने छोड़ दिया था या यह खनन के लिए चालू थी। ईसीएल की ओर से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं आई है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी विधायक अग्निमित्रा पॉल ने दावा किया कि खदान से सात शव बरामद किये गये हैं। उन्होंने बताया कि ईसीएल ओपनकास्ट खदान का हिस्सा धंसने से मृतक जिंदा दफन हो गये। उन्होंने आरोप लगाया कि खदान में कोयले की चोरी बेतरतीब ढंग से होती है और अधिकारी लोगों को रोकने या बचाने की कोशिश भी नहीं करते हैं। अनधिकृत खनन के कारण ऐसी दुर्घटनाएँ होती हैं और गरीब लोगों की मृत्यु होती है। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ बुधवार की रात और गुरुवार को विरोध प्रदर्शन भी किया। स्थनीय लोग्रों ने 60 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात जाम कर दिया।

मौजूदा सरकार में आरटीआई 'ओम शांति' की ओर अग्रसर : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून की 18वीं वर्षगांठ पर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर इस कानून को लगातार कमजोर करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि आरटीआई 'ओम शांति' की ओर अग्रसर है। आरटीआई कानून 12 अक्टूबर, 2005 को लागू हुआ था। उस समय केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आज ऐतिहासिक सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) लागू होने की 18वीं वर्षगांठ है। कम से कम 2014 तक यह परिवर्तनकारी था। उसके बाद केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने लगातार इस कानून को कमजोर करने, इसके प्रावधानों को कमजोर करने, प्रधानमंत्री की वाहवाही करने वालों को अपना आयुक्त नियुक्त करने और आवेदनों को अस्वीकार करने का प्रयास किया है।' उन्होंने दावा किया कि एक के बाद एक लाए गए संशोधनों के शुरुआती कारण यह थे कि आरटीआई के तहत हुए खुलासे स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए बेहद शर्मनाक साबित हुए थे। रमेश ने कहा, 'मैंने इनमें से कुछ संशोधनों को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी और मुझे अभी भी उम्मीद है कि याचिका पर जल्द ही सुनवाई होगी क्योंकि आरटीआई तेजी से 'ओम शांति' की ओर अग्रसर है।'

योगी के खिलाफ व्हाट्सऐप ग्रुप में आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर मामला दर्ज

बलिया (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ सोशल मीडिया मंच 'व्हाट्सऐप ग्रुप' में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने एक मामला दर्ज किया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। नगरा थाने के प्रभारी अतुल कुमार मिश्र ने बृहस्पतिवार को बताया कि थानाक्षेत्र के नवाबगंज गांव के रहने वाले वाल्मीकि यादव की तहरीर पर उसी गांव के रहने वाले विवेक यादव व 'व्हाट्सऐप ग्रुप' संचालक के विरुद्ध बुधवार रात एक मामला दर्ज किया गया।

पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को जनांदोलन बनाने में योगदान दें जी-20 की सभी संसद : बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने जी-20 समूह के सदस्य देशों की संसद के अध्यक्षों का आज आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन की समस्या पर केवल नीतियां एवं कानून बना कर संतुष्ट नहीं हों बल्कि जनता को प्रेरित करें कि सब अपनी दिनचर्या में बदलाव कर इस दिशा में सामूहिकता से योगदान दें।

पी-20 शिखर सम्मेलन के पूर्व आज यहां पर्यावरण के लिए अनुकूल जीवन शैली पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में 'पार्लियामेंट फोरम ऑन लाइफ' की एक अहम बैठक आयोजित की गयी। दक्षिणी पश्चिमी दिल्ली के द्वारका में नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी स्थल यशोभूमि में आयोजित इस बैठक में जी-20 देशों के संसद के अध्यक्ष अथवा पीठासीन अधिकारी शामिल हुए। बिरला एवं कई मेहमान शिखर बैठक में शामिल होने के लिए एक्सप्रेस मेट्रो ट्रेन में सवार होकर सम्मेलन स्थल पहुंचे। बिरला ने अपने संबोधन की शुरुआत करते लोकतंत्र की जननी भारत की भूमि पर मेहमानों का स्वागत किया और कहा कि पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन का विषय विश्व के साझे भविष्य से जुड़ा है। इसीलिए पर्यावरण से संबंधित विषयों को पी-20 के केंद्र में रखा गया है। उन्होंने कहा कि बैठक में इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर आपके बहुमूल्य सुझाव राह दिखाएंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति और परंपराओं में पर्यावरण को मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा माना गया है। प्रकृति को आदर सम्मान देना हमारे संस्कारों में है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है कि 'जो प्रकृति की रक्षा करते हैं, प्रकृति उनकी रक्षा करती है।' और यही पर्यावरण संरक्षण की मूल भावना भी है। बदलते परिप्रेक्ष्य में आज दुनिया का कोई भी देश जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से अछूता नहीं है। हम विश्व के समक्ष उपस्थित चुनौतियों से अवगत हैं इसलिए इस दिशा में ठोस प्रयास आज के समय की मांग है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली का विचार दुनिया के समक्ष रखा है। मिशन लाइफ स्टाइल पर्यावरण संरक्षण का व्यापक दृष्टिकोण है जो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में रिड्यूस, रीयूज और री-साइकल के व्यवहार अपनाने की प्रेरणा देता है। इसीलिए हमें आज ऐसी जीवन शैली, ऐसा दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जिससे हमारे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। यह हम सबका व्यक्तिगत और सामूहिक दायित्व है।

बिरला ने कहा कि लाइफ स्टाइल मिशन ने हमें जलवायु परिवर्तन, सतत् विकास, स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा जैसी समकालीन चुनौतियों से निपटने का एक नया मार्ग दिया है। आज यह विचार एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। इस विचार को आधार बनाकर आज अलग अलग देश अपनी भौगोलिक एवं सामाजिक-आर्थिक स्थिति के अनुसार नीतियाँ एवं कार्य योजनाएं बना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पर्यावरण के लिए जीवन शैली विषय पर भारत की संसद में भी व्यापक चर्चा हुई है और कानून बनाए गए हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन की समस्या पर केवल नीतियां एवं कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि हम सबको अपनी दिनचर्या में बदलाव कर सामूहिकता से योगदान देने की आवश्यकता है। बिरला ने विश्व भर में संसदीय निकायों में मिशन लाइफस्टाइल पर चर्चा करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा, 'मेरा आग्रह है कि दुनिया की सभी संसदों में मिशन लाइफस्टाइल विषय पर चर्चा होनी चाहिए ताकि हम इस मिशन के संदेश को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर एक जन आंदोलन का रूप दे सकें और एक बेहतर विश्व का निर्माण कर सकें।'

प्रधानमंत्री शुक्रवार को 9वें जी20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी20) का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को सुबह लगभग 11 बजे यशोभूमि, नई दिल्ली में 9वें जी 20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी 20) का उद्घाटन करेंगे। शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत की संसद द्वारा भारत की जी 20 प्रेसीडेंसी के व्यापक ढांचे के तहत की जा रही है। भारत की जी 20 प्रेसीडेंसी की थीम के अनुरूप, 9वें पी 20 शिखर सम्मेलन का विषय एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के लिए संसद है। इस कार्यक्रम में जी 20 सदस्यों और आमंत्रित देशों की संसदों के अध्यक्ष भाग लेंगे। 9-10 सितंबर को नई दिल्ली जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ के जी20 का सदस्य बनने के बाद पैन-अफ्रीकी संसद पहली बार पी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेगी। इस पी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान विषयगत सत्र चार विषयों सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से लोगों के जीवन में परिवर्तन; महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास; एसडीजी में तेजी लाना; और सतत ऊर्जा संक्रमण पर केंद्रित होंगे। प्रकृति के साथ सद्भाव में हरित और टिकाऊ भविष्य की दिशा में पहल पर विचार-विमर्श करने के लिए आज (12 अक्टूबर) लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) पर एक शिखर सम्मेलन-पूर्व संसदीय मंच भी आयोजित किया जाएगा।

मध्य प्रदेश में बोलीं प्रियंका गांधी, कांग्रेस ने लोगों को जितने भी अधिकार दिए, भाजपा ने उसे छीन लिया

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी गुरुवार को चुनावी राज्य मध्य प्रदेश के मंडला में 'जन आक्रोश रैली' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि लोग रोजगार के लिए राज्य छोड़ रहे हैं और वे यहां आपके लिए रोजगार के अवसर पैदा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा 18 साल से सत्ता में है और रोजगार के अवसर पैदा नहीं हुए, वे केवल लूट में व्यस्त हैं और हर जगह घोटाले हो रहे हैं। और वे चुनाव के समय अप्रासंगिक विषय लाते हैं जो लोगों के लिए भावनात्मक होते हैं।

प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस की परंपरा देखिए- वनाधिकार कानून आपके लिए लाया गया ताकि वनों पर पहला अधिकार आपका हो, क्योंकि यही आपकी संस्कृति है। इसे संरक्षित और मजबूत करने के लिए आपको वन अधिकार कानून दिया गया। यहां जो भी राजनीतिक नेता आता है वह तीन शब्दों का प्रयोग करता है- जल, जंगल, जमीन। लेकिन इसके अंतर्निहित अर्थ को समझना ज़रूरी है। क्या नेता सार्थक बात कर रहे हैं या ये आपके सामने आया एक 'जुमला' है। उन्होंने कहा कि यही कांग्रेस पार्टी की परंपरा और सिद्धांत रहा है। हम चाहते हैं कि देश की, राज्य की, आपके जिले की संपत्ति आपके हाथ में हो। हम चाहते हैं कि आप सशक्त बनें, आपको अपनी शक्ति मिले। जब आप विभिन्न पार्टियों के चुनावी भाषण सुनते हैं तो एक बात सोचते हैं - क्या वे आपकी सत्ता आपके हाथों में दे देंगे?

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जितने भी अधिकार कांग्रेस ने लोगों को दिए और उनकी मजबूती के लिए जो-जो काम किए भाजपा ने एक-एक कर सारे अधिकार छीन लिए। आज सरपंचों के अधिकारों में कटौती है, मनरेगा को लागू ही नहीं किया, पलायन और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि गांव में रोजगार नहीं मिल रहा है। लोगों की जमीने छीनी जा रही हैं। फसल के सही दाम नहीं मिलते। विरोध करने पर गोलियां बरसाई जाती हैं। वन का अधिकार खत्म कर दिया। कमलनाथ जी ने पट्टे दिए थे वो काम भी भाजपा सरकार ने रोक दिया।

संजय राउत का दावा, 2024 चुनावों के लिए किया गया है 'इंडिया' का गठन, मोदी दोबारा नहीं बनेंगे पीएम

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोबारा पीएम नहीं बनेंगे। आज मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, राउत ने कहा कि इंडिया गठबंधन विशेष रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए किया गया है और गठबंधन की बैठक में 2024 चुनावों से संबंधित चर्चाएं होती हैं। मैं दावे से कहता हूं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सरकार नहीं बनेगी। 2024 में मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, केंद्र में बीजेपी की सरकार नहीं रहेगी।'

संजय राउत ने आगे कहा कि कांग्रेस राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में एक बड़ी पार्टी है। इसलिए कांग्रेस तय करेगी कि किसे साथ लेना है और किसे नहीं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा कि I.N.D.I.A गठबंधन के भीतर सीट आवंटन को लेकर चर्चा जारी है। सुले ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'कई राज्यों के लिए सीट-बंटवारे की बातचीत चल रही है और यह रुकी नहीं है। हर राज्य का अपना क्रमपरिवर्तन और संयोजन है। काम चल रहा है।' इससे पहले, 31 अगस्त-1 सितंबर को I.N.D.I.A के बैनर तले एकजुट हुए विपक्षी दलों ने महाराष्ट्र में अपनी तीसरी बैठक संपन्न की और आगामी 2024 लोकसभा चुनाव सामूहिक रूप से लड़ने के प्रस्तावों को अपनाया और घोषणा की कि सीट-बंटवारे की व्यवस्था को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा।

विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन गठबंधन की दो दिवसीय बैठक के बाद चार मुख्य समितियों का गठन किया गया जिसमें सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों को शामिल किया गया। I.N.D.I.A गठबंधन कांग्रेस सहित विपक्षी दलों का एक समूह है और पार्टियां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मुकाबला करने के लिए एक साथ आई हैं, जिसका नेतृत्व पीएम नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कर रही है, और इसे तीसरी बार जीतने से रोक रही है। लोकसभा चुनाव 2024 में केंद्र में सीधे कार्यकाल। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम सहित पांच राज्यों में 7 से 30 नवंबर के बीच चुनाव होंगे और नतीजे 3 दिसंबर (रविवार) को घोषित किए जाएंगे।

चुनावों में मुफ्त की सौगातों पर बोले पूर्व सीईसी एसवाई कुरैशी, सुप्रीम कोर्ट भी इसे खत्म नहीं करा सका

नई दिल्ली(एजेंसी)। पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से पहले मुफ्त सुविधाएं देने की भाजपा और विपक्ष के बीच तीखी प्रतिस्पर्धा के बीच, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने कहा कि चुनावी रियायतें देना कानूनी रूप से एक वैध गतिविधि है और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट भी इसे खत्म नहीं कर सकता है। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, 'मुफ्त का मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी गया था, जो इसे अवैध घोषित कर सकता था। हालाँकि, ऐसा नहीं हुआ। अदालत इसे भ्रष्ट आचरण कह सकती थी, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। कानूनी तौर पर, मुफ्त चीजें और गारंटी देना एक वैध राजनीतिक गतिविधि है और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट भी इसे ख़त्म नहीं कर सकता है।'

उनका बयान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के उस बयान के कुछ दिनों बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त उपहारों की घोषणा 'लोकलुभावनवाद के तड़के' के साथ की जाती है। पिछले हफ्ते, शीर्ष अदालत ने चुनाव वाले मध्य प्रदेश और राजस्थान से उस याचिका पर जवाब मांगा था जिसमें आरोप लगाया गया था कि चुनाव पूर्व मुफ्त चीजें राज्य के राजस्व से ऐसे समय में वितरित की जा रही हैं जब राज्य भारी कर्ज से जूझ रहे थे। सुप्रीम कोर्ट शुरू में इस मामले को लेने के लिए अनिच्छुक था, यह कहते हुए कि सरकारों द्वारा की गई सभी प्रकार की चुनावी मुफ्तखोरी को नियंत्रित करना संभव नहीं था।

बाटला हाउस एनकाउंटर: दोषी आरिज खान को नहीं होगी फांसी, हाईकोर्ट ने सज़ा को आजीवन कारावास में बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने आरिज खान को दी गई मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। दिल्ली पुलिस इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा की हत्या के लिए ट्रायल कोर्ट ने खान को मौत की सजा सुनाई थी। यह आदेश जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल और अमित शर्मा की पीठ ने सुनाया। ट्रायल कोर्ट ने 8 मार्च, 2021 को खान को दोषी ठहराया और कहा कि यह विधिवत साबित हुआ है कि उसने और उसके सहयोगियों ने पुलिस अधिकारी की हत्या की और उन पर गोलियां चलाईं। 15 मार्च, 2021 को, इसने खान को मृत्युदंड की सजा सुनाई और उस पर 11 लाख का जुर्माना भी लगाया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि शर्मा के परिवार के सदस्यों को 10 लाख तुरंत जारी किए जाने चाहिए।

इसके बाद उच्च न्यायालय को खान की मौत की सजा की पुष्टि के लिए एक संदर्भ प्राप्त हुआ। जब कोई निचली अदालत किसी व्यक्ति को मौत की सजा सुनाती है, तो उच्च न्यायालय सजा की पुष्टि के लिए दलीलें सुनकर उसके फैसले की जांच करता है। ट्रायल कोर्ट ने अपने फैसले में बिना किसी उकसावे के पुलिस पार्टी पर गोलीबारी करने के खान के कृत्य को घृणित और क्रूर बताया था और कहा था कि इससे पता चलता है कि वह न केवल समाज के लिए खतरा था, बल्कि राज्य का दुश्मन भी था।

ट्रायल कोर्ट ने कहा था कि दोषी ने अपने घृणित कार्य के कारण, जीने का अधिकार खो दिया है, ने माना कि खान के खिलाफ साबित हुआ अपराध कोई सामान्य कार्य नहीं था, बल्कि राज्य के खिलाफ अपराध था, और इसे करते समय उसने ऐसा किया। एक खूंखार और अच्छी तरह से प्रशिक्षित आतंकवादी की तरह जो किसी भी तरह की नरमी का हकदार नहीं है। खान अपराध स्थल से भाग गया था और उसे घोषित अपराधी घोषित कर दिया गया था। उन्हें 14 फरवरी, 2018 को गिरफ्तार किया गया था।

शिवाजी पार्क में वार्षिक दशहरा रैली का आयोजन करेगी उद्धव की शिवसेना, बीएमसी से मिली मंजूरी

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने गुरुवार को मुंबई के प्रतिष्ठित शिवाजी पार्क में वार्षिक दशहरा रैली आयोजित करने की शिवसेना (ठाकरे) की याचिका को मंजूरी दे दी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना 24 अक्टूबर को अपनी 57वीं दशहरा रैली आयोजित करेगी। इससे पहले एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 12 अक्टूबर को शिवाजी पार्क में दशहरा रैली आयोजित करने के लिए बीएमसी में दायर अपनी याचिका वापस ले ली, उन्होंने कहा कि वह दशहरा के शुभ अवसर पर कोई विवाद नहीं चाहते हैं। सूत्रों ने बताया कि अब शिवसेना का गुट क्रॉस ओवल मैदान में दशहरा रैली आयोजित करेगा। सूत्रों ने यह भी बताया कि शिंदे ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे प्रतिद्वंद्वी गुट के साथ संघर्ष न करें क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री को लोगों की सहानुभूति मिलती है। 2022 में, दोनों गुटों ने प्रतिष्ठित पार्क में वार्षिक रैली आयोजित करने की अनुमति पाने के लिए बीएमसी का रुख किया, जो राजनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है और मुंबई में राजनीतिक वर्चस्व का प्रतीक है। हालांकि, ठाकरे को शिवाजी पार्क में मेगा कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मिली, जबकि शिंदे की शिवसेना को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में रैली आयोजित करने की अनुमति दी गई। इस बीच, पिछले साल शिंदे के समूह की रैली की आलोचना हुई क्योंकि शिवसेना (ठाकरे) के मुखपत्र 'सामना' में दावा किया गया कि शिंदे खेमे ने बीकेसी में आयोजित दशहरा रैली पर 50 करोड़ रुपये से 100 करोड़ रुपये खर्च किए होंगे, क्योंकि लगभग 2,000 बसें समर्थकों को लाने-ले जाने के लिए बुकिंग की गई और कार्यक्रम में शामिल हुए दो लाख से अधिक लोगों को भोजन दिया गया। इसमें कहा गया, 'बीकेसी की रैली भाजपा समर्थित कार्यक्रमों में से एक थी। जितनी राशि खर्च की गई, उतनी ही राशि कुछ विधायकों को खरीदने के लिए इस्तेमाल की गई होगी। यह कार्यक्रम एक फैशन शो और सौंदर्य प्रतियोगिता की तरह था।'

इटली के बाद फ्रांस पहुंचे राजनाथ सिंह, फ्रांसीसी समकक्ष लेकोर्नू के साथ की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 12 अक्टूबर को कहा कि भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है और दोनों पक्ष इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उत्सुक हैं। सिंह ने पेरिस में फ्रांसीसी सशस्त्र बल मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ अपनी बातचीत के बाद यह बात कही। रक्षा मंत्री ने लेकोर्नू के साथ अपनी मुलाकात को उत्कृष्ट बताया। सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पेरिस में फ्रांस के सशस्त्र बलों के मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ एक उत्कृष्ट बैठक हुई। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी पिछले कुछ वर्षों में गहरी हुई है और आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। हम इस साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तत्पर हैं। रक्षा मंत्री रोम की यात्रा समाप्त करने के बाद मंगलवार को पेरिस पहुंचे। राजनाथ सिंह ने पेरिस में शीर्ष फ्रांसीसी रक्षा कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के एक समूह के साथ भी बातचीत की और उन्हें भारत में रक्षा साजोसामान के सह-विकास और सह-उत्पादन के लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इन्हें अन्य देशों में निर्यात किया जा सकता है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने पेरिस के पास गेनेविलियर्स में सफरान इंजन डिवीजन के आर एंड डी केंद्र का दौरा किया और एयरो-इंजन प्रौद्योगिकी में हो रहे नवीनतम विकास को देखा।

भारत और फ्रांस के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंध पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ रहे हैं। जुलाई में भारत और फ्रांस ने अभूतपूर्व रक्षा सहयोग परियोजनाओं की घोषणा की, जिसमें जेट और हेलीकॉप्टर इंजनों का संयुक्त विकास और भारतीय नौसेना के लिए तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों का निर्माण शामिल है। दोनों रणनीतिक साझेदारों ने तीसरे देशों के लाभ सहित उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों के सह-विकास और सह-उत्पादन में सहयोग करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत में बच्ची को पीटने वाले शिक्षक के खिलाफ अपराध दर्ज शिक्षा मंत्री ने दिए जांच के आदेश

टीचर की गलती का एहसास होते ही स्कूल प्रबंधकों ने तुरंत टीचर को त्यागपत्र लिख दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : हाल ही में शहर के कापोद्रा इलाके में स्थित साधना स्कूल में एक शिक्षक ने एक छोटी बच्ची की बेरहमी से पिटाई की. जूनियर केजी छात्रा जब लड़की घर गई तो कपड़े बदलते समय उसके शरीर पर चोट के निशान देखकर उसकी मां ने स्कूल में शिकायत की। साधना निकेतन स्कूल उस वक्त सीसीटीवी में देखा गया कि टीचर लड़की को पीट रहा था. शिक्षक गिरफ्तार दूसरी ओर, लड़की के माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जिसके चलते आज शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है और शिक्षा अधिकारी के आदेश पर स्कूल द्वारा शिक्षक का इस्तीफा भी ले लिया गया है. पुलिस मामला कापोद्रा पुलिस ने महिला शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और शिक्षा मंत्री ने आगे की जांच के आदेश दिए हैं।

प्राप्त विवरण के अनुसार, सूरत के कपोदरा इलाके में स्थित साधना निकेतन स्कूल में जूनियर केजी में पढ़ने वाली साढ़े चार साल की बच्ची के साथ स्कूल की एक महिला टीचर ने मारपीट की. बच्ची द्वारा अक्षर अच्छे से नहीं बनाने या नोट में टेक्स्ट ठीक से नहीं लिखने से गुस्साई शिक्षिका जशोदाबेन ने बच्ची की पीठ और गाल पर मारा। जब लड़की घर पहुंची और अपनी वर्दी बदल रही थी, तो उसकी पीठ पर कुछ लाल निशान दिखाई दिए। तो बच्ची की मां ने बताया कि बच्ची से इस बारे में पूछने पर टीचर ने उसकी पिटाई की. शिक्षा मंत्री प्रफुल्ल पंसेरिया ने जांच के आदेश दिये हैं

शिक्षिका जशोदा के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया बच्ची की मां तुरंत स्कूल पहुंची और शिक्षकों को मामले की जानकारी दी. इसके बाद जब स्कूल ने सीसीटीवी कैमरे की जांच की तो पता चला कि बच्ची को टीचर ने पीटा था. इस घटना को लेकर स्कूल प्रबंधकों को टीचर की गलती का एहसास हुआ और उन्होंने तुरंत टीचर को इस्तीफा लिख दिया. इस घटना की जानकारी जब राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्ल पंसेरिया को हुई तो उन्होंने भी मामले की जांच के आदेश दे दिये हैं. इसके अलावा शिक्षा अधिकारी ने अन्य स्कूलों से भी अपील की है कि शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए सभी परिपत्रों को स्कूलों को पढ़ना चाहिए और इन परिपत्रों का पालन करना चाहिए। कापोद्रा पुलिस ने शिक्षक जशोदा की शिकायत के आधार पर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की है। माता-पिता और उसे गिरफ्तार कर लिया।

बिना टेंडर प्रक्रिया पूरी किए 80 करोड़ का काम दे दिया

बाकी कंपनियां कम कीमत पर काम करने के इंतजार में रह गईं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने कंप्यूटर ऑपरेटर आपूर्ति कंपनियों आकार और सुकानी भारी वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए तीन और वर्षों के लिए प्रति माह 19,300 ऑपरेटरों को काम सौंपा। जो दरअसल नियम विरुद्ध बताया जा रहा है। हालांकि यह बात काफी समय से पता थी कि तीन साल खत्म होने वाले हैं, निगम को कम कीमत पर कंप्यूटर ऑपरेटर उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं, अगर वास्तव में निविदा जारी की गई थी।

पायल सकारिया ने कहा कि सूरत नगर निगम सालाना करोड़ों रुपए का मुनाफा कमा

को 2020 के भीतर एक निविदा प्रक्रिया के माध्यम से नगर पालिका में विभिन्न पदों पर ऑपरेटरों की आपूर्ति करने के लिए एक साल और दो साल के लिए 10% की वार्षिक वृद्धि के साथ सम्मानित किया, लेकिन ये तीन साल पूरे होने के बाद नई टेंडरिंग प्रक्रिया करने की बजाय आज दोनों कंपनियों को दोबारा काम सौंपा गया, इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्थायी समिति ने लेकिन इसके लिए टेंडर जारी नहीं किया गया. कंप्यूटर ऑपरेटर समेत मैन पावर सप्लाई करने वाली एक अन्य कंपनी ने आयुक्त को पत्र लिखकर सूरत नगर आयुक्त को पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि इन सभी के अधीन एक ही काम होगा. शर्तें, हम 16 रुपये का भुगतान करेंगे। हम इसे हजार की कीमत पर करने के लिए तैयार हैं। यह पाया गया है कि अधिक एजेंसियां सूरत नगर सकता था, लेकिन व्यापक भ्रष्टाचार के कारण स्थायी समिति ने ऊपर जाकर पहले ही काम सौंप दिया और सूरत. 80 करोड़ रुपये के अनुमानित नुकसान का जिम्मेदार नगर निगम बना आयुक्त को इस प्रस्ताव को तुरंत रद्द करने और नए सिरे से निविदा प्रक्रिया आयोजित करने की आवश्यकता है। हम फोटो निर्णयों के कारण नगर निगम के खजाने की खुली लूट का विरोध करते हैं।

स्पा और मसाज पार्लर की आड़ में चल रहे गोरखधंधों का भंडाफोड़ अब सूरत पुलिस आयुक्त के सामने नई चुनौती

इच्छानाथ में किराए के फ्लैट से पकड़े गए तस्करों के बाद, घोड्डोद रोड, खरवासा रोड के फ्लैटों से दो और पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के विभिन्न इलाकों में स्पा और मसाज पार्लरों की आड़ में कमिश्नर के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। सूरत पुलिस की स्पा के खिलाफ कार्रवाई के बाद शहर के कोने वाले फ्लैटों में एक बार फिर बदमाश सक्रिय हो गए हैं। किराए के फ्लैट से बदमाश पकड़े जाने के बाद सूरत के इच्छानाथ में घोड्डोद रोड, खरवासा रोड फ्लैट्स से दो और बदमाश पकड़े गए।

सूरत क्राइम ब्रांच की IU-CAW सेल ने उमरा पुलिस सीमा में इच्छानाथ नेहरूनगर के पीछे शिवम अपार्टमेंट के एक किराए के फ्लैट में चल रहे वेश्यालय का भंडाफोड़ किया और दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, शिमला से चार लालन को मुक्त कराया। फ्लैट के किराएदार को वांछित घोषित किया गया और आगे की कार्रवाई की गई। लिया गया। उसके बाद, कल, अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया और एक लालाना को मुक्त कर दिया, जो घोड्डोद रोड के पास राज घरा ज्वैलर्स के पीछे धनराज अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर एक किराए के फ्लैट में पाया गया था। उमरा पुलिस स्टेशन। वेश्यालय के मूल मालिक और एजेंट को वांछित घोषित किया गया था। मानव तस्करी विरोधी इकाई ने ही डिंडोली पुलिस स्टेशन में खरवासा रोड मार्क प्वाइंट कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर एक फ्लैट में महिला संचालिका और ग्राहक को गिरफ्तार किया और मुक्त कराया। दो लल्लन.

लंबे समय से सूरत के विभिन्न इलाकों में स्पा और मसाज पार्लर की आड़ में कुतनखाने चल रहे थे। अब भी कई जगहों पर ये चल रहे हैं लेकिन सूरत पुलिस की कार्रवाई के कारण इनकी संख्या पहले की तुलना में कम हो गई है। करवा सिटी ने चार महिला पुलिस अधिकारियों को मैदान में उतारा और पुलिस को इसमें सफलता भी मिली, लेकिन कुतनखाना संचालकों ने पुलिस से बचने के लिए अपना पुराना तरीका फिर से शुरू कर दिया है.

सूरत के कुछ रिहायशी इलाकों में फ्लैट या मकान किराए पर लिए जाते थे स्पा और मसाज पार्लर की आड़ में चल रहे गोरखधंधे को रोकने वाले पुलिस कमिश्नर के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है।

सूरत के पांच तालुकाओं की 1300 सरकारी भूमि संख्या की ई-मैपिंग के लिए सर्वेक्षण शुरू

राज्य में सबसे पहले सूरत में सर्वे शुरूहुआ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहरी क्षेत्रों में सरकारी जमीन के साथ-साथ भविष्य में भी जमीन की भारी कमी है. सूरत जिला कलेक्टर ने मुकदमेबाजी या दबाव से बचने के लिए गुजरात में पहली बार सूरत शहर के पांच तालुकाओं के 1300 सर्वेक्षण संख्याओं में स्थित सरकारी भूमि की ई-मैपिंग शुरूकी है। इस सर्वे नंबर का अक्षांश-देशांतर , फोटो सहित ब्योरा ऑनलाइन अपलोड करने पर यह सीधे गूगल मैप में खुल जाएगा।

सूरत शहर के पांच तालुका उधना , माजुरा , कतारगाम , अडाजण और पुणे में विभिन्न सरकारी भूमि हैं। इन जमीनों के साथ-साथ जब नगर पालिका और टाउन प्लानिंग से प्लान पास होता है तो कुल जमीन का 40 फीसदी हिस्सा कटौती में चला जाता है. इन सभी जमीनों को मिलाकर सूरत शहर के पांच तालुकाओं में लगभग 1300 सरकारी नंबर की जमीनें हैं। दूसरी ओर, सूरत के जिला कलेक्टर आयुष ओक ने इन सभी सरकारी नंबरों का फील्ड एरिया मेजर ऐप

अक्षांश-देशांतर का डाटा होगा अपलोड : भविष्य में सरकारी जमीन की जरूरत पड़ी तो एक क्लिक में सारी जानकारी फोटो के साथ उपलब्ध होगी.

(ई-मैपिंग) शुरूकिया है ताकि यह जांचा जा सके कि भविष्य में इन जमीनों पर कोई दबाव है या नहीं। जिसमें सभी पांच तालुकाओं के उप मामलतदार , सर्कल अधिकारी जगह पर जाएंगे और सरकारी जमीनों की तस्वीरें लेंगे। साथ ही वहां से जमीन का अक्षांश और देशांतर भी लिया जाएगा. इस प्रकार गूगल मैप्स , क्षेत्रफल , भूमि डेटा को मिलाकर एक रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। और जब भी सरकारी जमीन की मांग की जाती है. फिर एक क्लिक पर फोटो समेत सारी जानकारी मिल जाएगी। इन जमीनों पर दबाव है या नहीं ? उसका विवरण भी उपलब्ध होगा. और चूंकि भविष्य में जमीनों का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध होगा, इसलिए मुकदमेबाजी का सवाल ही नहीं उठेगा।

चूंकि ऑनलाइन रिकॉर्ड उपलब्ध है, इसलिए अंतिम भूखंड का कब्जा बदलना संभव नहीं होगा सूत्रों के अनुसार इस ई-मैपिंग से सरकारी जमीनें कहां-कहां स्थित हैं. इसे अक्षांश एवं देशांतर से तुरंत जाना जा सकता है। इस वजह से जब किसी जमीन का अंतिम प्लॉट निर्धारित करना होता है तो अगर उसे सरकारी जमीन से लिया जाता है तो यह समझ में आ जाता है कि यह जमीन सरकार की है। इसलिए फाइनल प्लॉट (एफपी) को लेकर अब तक जो असमंजस चल रहा था। वह भी असंभव हो जायेगा.

सूरत शहर की जनसंख्या बेतहाशा बढ़ती जा रही है। और आने वाले वर्षों में जनसंख्या में वृद्धि के साथ 2035 के विकास के लिए सरकारी भूमि की आवश्यकता भी उत्पन्न होगी। इसके चलते वर्तमान में जितनी जमीनें हैं। अगर इसकी ई-मैपिंग हो जाए तो भविष्य में जब भी निर्माण की जरूरत होगी तो तुरंत पता चल जाएगा कि इस स्थान पर कितनी जमीन है। क्या यह सही है या नहीं ?

सूरत नगर निगम द्वारा 72 करोड़ रुपये की लागत से सानिया हेमाड में तापी शुद्धिकरण परियोजना के तहत कार्यान्वित नहीं

एसटीपी प्लांट के मुद्दे पर AAP ने सत्ताधारियों पर लगाया आरोप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अधिकारी केवल परियोजना को मंजूरी देने और इसे चालू करने में रुचि रखते हैं, लेकिन यह देखने में कोई दिलचस्पी नहीं है कि यह समय पर चालू हो रही है या नहीं। सूरत नगर निगम के शासकों और अधिकारियों की छवि यह है कि प्रोजेक्ट ठेकेदार से जो भी लेन-देन होता है, उसके बाद प्रोजेक्ट को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है। विपक्ष की ओर से भी समय-समय पर इस तरह के आरोप लगाए जाते रहते हैं.

सूरत नगर निगम द्वारा 72 करोड़ रुपये की लागत से सानिया हेमाड में तापी शुद्धिकरण परियोजना के तहत कार्यान्वित नहीं किया गया था, यह काम 2019 में हरित पर्यावरण को सौंपा गया था। 24 माह में काम शुरूकरने का निर्णय लिया गया था, लेकिन स्थिति इतनी खराब हो गयी कि जनता का पैसा खर्च हो गया, लेकिन प्रोजेक्ट शुरू नहीं हो सका. करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी हुक्मरान इस पर गंभीर क्यों नहीं हैं ? यह समझ में नहीं आता.

जनता के करोड़ों रुपये बर्बाद

हो गये इस प्लांट के भ्रमण के दौरान कई स्थानों पर दरारें पाई गईं। अधिकतर सीढ़ियां टूटी हुई हैं। स्लैब के सभी जोड़ ढीले हैं। दीवारों में 15-15 फीट लंबी दरारें पाई गई हैं। जिससे पता चलता है कि इसमें काफी भ्रष्टाचार है. सत्ताधारी दल का मूल मकसद भ्रष्टाचार है, लेकिन अब कमिश्नर ने इस उम्मीद के साथ प्रतिवेदन दिया है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होगी और इस एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा मोबाईल:-9879141180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे